

सृजन विद्यालय पत्रिका



केंद्रीय विद्यालय बद्दोवाल छावनी , लुधियाना
सत्र 2024-25

हमारे संरक्षक



श्रीमती निधि पाण्डेय
आई आई एस
आयुक्त



श्री दीपेश गहलोत,
आईएसएस
अपर आयुक्त
(प्रशासन)



डॉ. पी. देवकुमार
अपर आयुक्त
(शैक्षणिक)



श्रीमती प्रीती सक्सेना,
उपायुक्त



श्री जुगल किशोर
सहायक आयुक्त



श्री पी सी तिवारी
सहायक आयुक्त



श्री आर सी शर्मा
सहायक आयुक्त

केंद्रीय विद्यालय बदोवाल छावनी बुधियाना



संपादक मंडल

बाएँ से दाएँ: श्री दर्विंदर (टी जी टी पंजाबी), श्रीमती गीतू (टी जी टी कला) श्रीमती रेनूका चावला (पी जी टी वाणिज्य , पत्रिका प्रभारी), श्री नरेश कांत (प्राचार्य), श्रीमती अमनदीप कौर (पी जी टी अंग्रेजी), श्रीमती सोनिया यादव (टी जी टी संस्कृत), श्री महेश कुमार मीणा (पी जी टी हिन्दी)

विद्यार्थी गण : अमृतप्रीत कौर (संस्कृत) मान्यता शर्मा (हिन्दी) जसमीत कौर (अंग्रेजी) राजवीर (संस्कृत)

केन्द्रीय विद्यालय बददोवाल छावनी

संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि केन्द्रीय विद्यालय, बददोवाल कैंट, सत्र 2024-25 के लिए अपनी ई विद्यालय पत्रिका प्रकाशित कर रहा है। मुझे यकीन है कि यह पत्रिका विद्यालय की गतिविधियों का प्रतिबिंब होगी और छात्रों के लिए अपनी साहित्यिक प्रतिभा साझा करने का एक मंच होगी। मैं इस सफल प्रयास में उनकी भागीदारी और योगदान के लिए प्रिंसिपल, स्टॉफ और युवा लेखकों की सराहना करता हूँ और उन्हें बधाई देता हूँ।



पुष्पराज पाण्डेय

(कर्नल पुष्प राज पांडे)

अध्यक्ष

वि. प्र. समिति

के. वि. बददोवाल छावनी

 केन्द्रीय विद्यालय संगठन		केन्द्रीय विद्यालय संगठन KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय) (An Autonomous Body under Ministry of Education, Govt. Of India) क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़/Regional office, Chandigarh एससीओ/SCO NO. 72-73, सेक्टर 33-ए/SECTOR 33-A, चंडीगढ़/ Chandigarh Web: https://rochandigarh.kvs.gov.in, E-Mail: dckvschd@gmail.com दूरभाष/Contact No. : 0172-2638042(DC)
---	---	---

फाइल सं 16060/2025-26/के.वि.सं(च.क्षे)/शैक्षिक/4885

दिनांक: 11.07.2025



संदेश

हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय बटोवाल छावनी सत्र 2024-25 के लिए अपने विद्यालय पत्रिका के वार्षिक अंक का प्रकाशन करने जा रहा है।

पत्रिका विद्यालय में संचालित होने वाली शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की झलक प्रतिबिम्बित करती है जिससे समस्त पाठक गण अवगत होंगे। इससे छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा का परिचय मिलता है तथा इसके प्रकाशन का उद्देश्य भी विद्यार्थियों में छिपी रचनात्मक लेखन क्षमता की पहचान करना व उन्हें विकास के समुचित अवसर देना है। यह पत्रिका निःसंदेह बाल-साहित्य का सच्चा मार्मिक जीवन्त चित्रण सिद्ध हो सकती है तथा विद्यार्थियों को भावाभिव्यक्ति के साथ-साथ विचारों को भाषा देने में भी सफल होगी।

पत्रिका में अपना नाम एवं अपनी रचना को छपी देख एवं पढ़कर छात्र आनन्द का अनुभव करते हैं, साथ ही भविष्य में कुछ खास करने के लिए तत्पर हो जाते हैं। छात्रों की रचनाओं को प्रकाशित करने से उनको अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन मिलता है। यह पत्रिका प्रगति और गतिशीलता को समाज में प्रचारित करती है। यह पत्रिका छात्रों, शिक्षकों एवं विद्यालय को गरिमामय और यशस्वी बनाने में मदद करेगी।

आपके इस सराहनीय प्रयास के लिए समस्त विद्यालय परिवार एवं पत्रिका के संपादक मंडल को मेरी तरफ से बधाई एवं शुभकामनाएँ देती हूँ साथ ही उन सब बाल-रचनाकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ जिन्होंने अपनी कल्पना एवं भावों के रंगों को शब्दों का रूप प्रदान किया है।


 (प्रतिनिधिसूचना)
 उपायुक्त

प्राचार्य की कलम से



'विद्यालय-पत्रिका' का यह अंक आपके हाथों में सौंपते हुए अत्यन्त आह्लाद हो रहा है। आशा है कि इन नन्हें रचनाकारों की रचनाएँ कहीं आपके हृदय को गुदगुदाएंगी, कहीं आश्चर्यचकित करेंगी तो कहीं वर्तमान समस्याओं पर कुछ विचारने हेतु बाध्य करेंगी।

इन नन्हें व कोमल दिलों में प्रतिभा का बीज अंकुरित कर सींचने, संवारने, तराशने व लहलहाने का सुअवसर विद्यालय ही प्रदान करता है। विद्यालय-पत्रिका अपने बाल रचनाकारों को अभिव्यक्ति का वह सशक्त मंच प्रदान करती है जहाँ से शिक्षकों के मार्गदर्शन व प्रेरणा से वे अपने हृदय में उमड़ते भावों के आलोड़न को एक सशक्त रचना का जामा पहना कर आपके समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

आज प्रगति की विश्वव्यापी दौड़ में दूरियाँ सिमट रही हैं और विश्व पटल पर 'भारतीयता' की एक विशेष पहचान उभर रही है। केन्द्रीय विद्यालय विश्व स्तर पर इस पहचान को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में छात्र वर्तमान समय एवं भविष्य की कसौटी पर खरे उतर सकें, तदर्थ सभी आवश्यक कदम उठाने का भरसक प्रयास केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा किया जा रहा है जो अत्यन्त सराहनीय है।

आइए ! इस प्रयास को सफल बनाने में अपना दायित्व निभाने का हम संकल्प लें और पूर्णता प्रदान करने हेतु दत्तचित्त होकर जुट जाएं।

शुभकामनाओं सहित -

प्राचार्य

नरेश कांत

केन्द्रीय विद्यालय बटोवाल छावनी, लुधियाना

विद्यालय रिपोर्ट

सत्र -2024-25

विद्यालय अर्थात विद्या का मंदिर जहाँ विद्यार्थी न केवल शिक्षा प्राप्त करने हेतु आते हैं वरन अपने संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करते हैं। विद्यार्थी जीवन किसी भी मनुष्य के संपूर्ण जीवन में एक ऐसा पड़ाव है जब वह स्वच्छन्द रूप से सोचता है और नित नवीन विचार उसके मन में उमड़ते हैं। केंद्रीय विद्यालय बदोवाल भी विद्यार्थियों की इस स्वच्छन्द सोच, नवीन विचारों, एवं रचनात्मकता को इस पत्रिका के माध्यम से प्रोत्साहित करता है। विद्यालय के कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकगण एवं कर्मठ प्राचार्य श्री नरेश कांत के मार्ग दर्शन में विद्यालय सफलताओं को पाने की राह पर अग्रसर है। इसी सफर में सत्र 2024-25 की उपलब्धियों की रिपोर्ट आप सबके सामने प्रस्तुत है।

शैक्षणिक उपलब्धियां

१. बोर्ड कक्षाओं का परिणाम

कक्षा दसवी 97.3 %

कक्षा बारहवी 95.2%

क्रियात्मक उपलब्धियां

पाठ्य- सहगामी - क्रिया कलाप

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में वरन पाठ्य- सहगामी - क्रिया कलापों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना भी केंद्रीय विद्यालय का एक लक्ष्य है जिससे कि उनके संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास हो सके। इस सत्र में भी विद्यार्थियों ने विविध गतिविधियों में हिस्सा लिया तथा संभागीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त की।

ओलिंपियाड

केन्द्रीय विद्यालय बदोवाल के विद्यार्थियों ने नवंबर में कक्षा तीसरी से दसवीं तक एस ओ एफ साइंस ओलंपियाड और सिल्वर जोन ओलंपियाड में भाग लिया

और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न वर्गों के कई छात्रों ने उत्कृष्टता के स्वर्ण पदक जीते और 08 छात्रों को स्तर II परीक्षा के लिए चुना गया।

इन्सपायर मानक (INSPIRE MANAK award)

इन्सपायर मानक कार्यक्रम में विद्यालय के 5 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें से एक विद्यार्थी जयमन सिंह का चयन हुआ तथा उसे 10000 रुपए नकद का इनाम प्राप्त हुआ ।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा बनाये गए मानक क्लब में कक्षा 9 व 10 के कुल 60 विद्यार्थियों ने सदस्यता ली ।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

इस राष्ट्रीय पहल के अंतर्गत छात्रों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, भाषा मेला, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, भाषाई सम्मान और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना है।

1. कला उत्सव के अंतर्गत विद्यालय की नाटिका ने खंडीय स्तर पर पहला स्थान तथा क्षेत्रीय स्तर पर भी प्रथम स्थान प्राप्त किया।
2. समूह गायन प्रतियोगिता में खंडीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
3. कला उत्सव में मूर्तिकला में द्वितीय और खिलौना बनाने की प्रतियोगिता में खंडीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

विज्ञान प्रदर्शनी

1. विद्यालय स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।
2. क्षेत्रीय स्तर पर 5 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

एन सी सी

2024-25 सत्र में विद्यालय की एनसीसी इकाई ने स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय एकता दौड़, वृक्षारोपण, योग कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कीं।

50 कैडेट्स सक्रिय रूप से सम्मिलित रहे। 25 कैडेट्स ने एनसीसी कैंप में भाग लिया और 24 ने "A" सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण की।

खेलकूद

विद्यालय के छात्रों ने 54वें क्षेत्रीय खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। 12 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदक विभिन्न खेलों में प्राप्त हुए। विशेष रूप से शान कौर, मान्यता शर्मा और वंश शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया।

स्काउट एवम गाइड

१. 11 स्काउट्स ,11 गाइड्स ,10 कब तथा 12 बुलबुल् का सत्र 2024-25 में पंजीकरण किया गया जिन्होंने जुलाई 2024 में प्रवेश कैंप में भाग लिया।
२. विद्यालय के 01 स्काउट साहिल शर्मा कक्षा 10, ने राज्य पुरस्कार प्राप्त किया ।
३. 01 स्काउट तथा 04 गाइड्स ने तृतीय सोपान परीक्षा पास की।
४. 05 कब तथा 03 बुलबुल ने सफलतापूर्वक स्वर्ण पंख चरण संपन्न किया ।

भाषा संगम

भारत विविधताओं का देश है जहाँ विभिन्न भाषाएं, बोलियाँ, संस्कृति और परंपराएँ एक साथ पनपती हैं। इस विविधता को सम्मान देने और विद्यार्थियों में भाषाई सौहार्द बढ़ाने के उद्देश्य से "भाषा संगम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया । भाषा संगम का उद्देश्य छात्रों को भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं से परिचित कराना है, ताकि वे विभिन्न भाषाओं का सम्मान करें और उनमें आपसी समझ व भाईचारे की भावना विकसित हो।

विद्यालय में भाषा संगम कार्यक्रम का आयोजन समय समय पर बड़े उत्साह के साथ किया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर अभिवादन, सामान्य संवाद, गीत और कविताएँ प्रस्तुत कीं।

पुस्तकालय गतिविधियाँ

विद्यालय में "पुस्तक उपहार कार्यक्रम", "रीड अलाउड गतिविधि", "पुस्तक प्रदर्शनी" और "पुस्तक मेला" जैसे आयोजन विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए। इससे छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और ज्ञानार्जन की भावना का विकास हुआ।

महत्वपूर्ण दिवस

विद्यालय में सभी महत्वपूर्ण दिवस पूर्ण उल्लास एवम उमंग के साथ मनाये जाते हैं जिनमें प्रमुख हैं स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस, हिंदी पखवाड़ा, बाल दिवस, गणतंत्र दिवस, बसंत पंचमी, थिंकिंग दिवस, दादा-दादी नाना-नानी दिवस ,झंडा दिवस ,के वी एस स्थापना दिवस ,वन महोत्सव , राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आदि।

शिक्षक उपलब्धि

कक्षा दसवीं के अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए विद्यालय के दो टीजीटी हिन्दी शिक्षकों (श्रीमती सुनीता रानी एवं श्रीमती दिव्या सचदेवा) को केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा स्वर्ण प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए ।

गतवर्ष की उपलब्धियों ने भविष्य के लिए और बड़े लक्ष्य स्थापित कर दिए हैं तथा हमें उम्मीद है कि हमारा विद्यालय आगामी वर्ष में उन लक्ष्यों को जरूर हासिल करेगा।

केंद्रीय विद्यालय बद्दोवाल छावनी लुधियाना

कक्षा अनुसार परिणाम

सत्र 2024-25

CLASS	SECTION	TOTAL REGD	TOTAL APPEARED	TOTAL PASSED	PASS %
I	A	41	41	41	100
I	B	41	41	41	100
II	A	37	37	37	100
II	B	37	37	37	100
III	A	35	35	35	100
III	B	36	36	36	100
IV	A	38	38	38	100
IV	B	38	38	38	100
V	A	34	34	34	100
V	B	37	37	37	100
PRIMARY SECTION	OVERALL	374	374	374	100
VI	A	34	34	34	100
VI	B	38	38	38	100
OVERALL VI	A + B	72	72	72	100
VII	A	39	39	39	100
VII	B	37	37	37	100
OVERALL VII	A + B	76	76	76	100
VIII	A	37	37	37	100
VIII	B	36	36	36	100
OVERALL VIII	A + B	73	73	73	100
IX	A	40	40	36	90
IX	B	38	38	34	89.47
OVERALL IX	A + B	78	78	70	89.74
XI	COMM	29	29	26	89.65
OVERALL XI		29	29	26	89.65
OVERALL (I- XI)					
CLASS	REGD	APPEARD	PASSED	DETAINED	SUPP.
IX	78	78	70	8	NIL
XI	29	29	26	3	NIL

शैक्षणिक उपलब्धि

ACADEMIC TOPPERS

CLASS XII (2024-25)



मनदीप कौर

86.6%



पीयूष

84.6%



गुरप्रीत सिंह

77.2%

CLASS X (2024-25)



हिमांशी सिंह

95.8 %



दानिश गुप्ता

93.4%



जसकिरत कौर

91.8%

CLASS VI (2024-25)

Position	Name of student	% of marks
I	SUMIT	90.10
II	AVNI SINGH	90.08
III	GARIMA	89.98

CLASS VII (2024-25)

Position	Name of student	% of marks
I	TEJASVI SUNIL DALIMBE	94.58
II	SANVI SINGH	92.94
III	RAJVEER SINGH	92.61

CLASS VIII (2024-25)

Position	Name of student	% of marks
I	AVNISH KUMAR	96.08
II	SAPNA GHOSH	94.99
III	SREYANSH SINGH	94.87

CLASS IX (2024-25)

Position	Name of student	% of marks
I	SOUMYADIP MAHATA	92.2
II	JIGYASA	91.5
III	PARINEETA SINGH	91

CLASS XI (2024-25)

Position	Name of student	% of marks
I	AGGRIMA	89.2
II	KARISHMA	84.2
III	SRISHTI KHARWAR	83.8



कक्षा दसवी में हिन्दी विषय में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने पर विद्यालय के हिन्दी विभाग से श्रीमती सुनीता रानी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिन्दी) और श्रीमती दिव्या सचदेवा (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिन्दी) को केंद्रीय विद्यालय संगठन की तरफ से स्वर्ण प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

विद्यालय का कक्षा दसवी का गणित विषय में भी परिणाम उत्कृष्ट रहा तथा विद्यालय स्तर पर श्रीमती रजनी सेठी (प्रशिक्षित स्नातक गणित)को भी सम्मानित करके प्रोत्साहित किया गया ।

हिन्दी

अनुभाग



सम्पादक की कलम से...

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ सूचनाओं की जानकारी या जानकारी देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में उठने वाले प्रतिभा, हृदय में प्रस्फुटित होने वाले भावों एवं विचारों का सृजन करना होता है। सृजनात्मकता से जुड़ी ऐसी नव प्रतिभाओं की अभिव्यक्ति हेतु मंच देना ही विद्यालय पत्रिका का उद्देश्य है।

विद्यालय पत्रिका के इस अंक में विद्यार्थियों के मन में छिपे भावों और अनुभवों की अभिव्यक्ति को सशक्त और पुष्ट करने के साथ-साथ लेखन शक्ति का विस्तार करने का अवसर प्रदान किया गया है। साथ में विद्यालय की विविध गतिविधियों को जानकारी प्रदान करने के लिए एक प्रयास किया गया है।

मैं आदरणीय प्राचार्य श्री नरेश कुमार के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनकी निरंतर प्रेरणा एवम् कुशल मार्गदर्शन से पत्रिका का प्रकाशन सम्भव हो सका है। मैं अपने विद्वान और अनुभवी सम्पादक मण्डल तथा सहयोगी साथियों का आभारी हूँ जिन्होंने अपने अथक परिश्रम द्वारा विद्यालय पत्रिका के इस संस्करण के प्रकाशन हेतु सहयोग दिया।

महेश कुमार मीणा
स्नातकोत्तर हिन्दी अध्यापक
सम्पादक

मेरी मम्मी

मेरी मम्मी प्यारी है,
सारे जग से न्यारी है।
मुझको खाना खिलाती है,
लोरी गा के सुलाती है।
रोज दूध पिलाती है
स्कूल छोड़ने जाती है।

गुरसिमरत कौर
तीसरी 'ए'



मेरी प्यारी बिल्ली



मेरी प्यारी बिल्ली ।
कितनी भोली-भाली
कभी मेज़ पर चढ़ती,
कभी सोफे पर बैठती ।'

दूध उसे हैं पसंद,
खाती है वो चूहे
मूछें उसकी कितनी प्यारी
लगती है वो सबकी दुलारी।

म्याँँ - म्याँँ करती
पूछ अपनी मटकाती ।
जब मैं उसको पुकारू
झट से मेरे पास आती।

शिवाय सिंगला
तीसरी 'ए'

बारिश

बादल गरजे, बिजली चमकी,
आ गई देखो बारिश चमकी।

छम-छम पानी बरस रहा है
मन सबका देखो हर्ष रहा है।

नाव चलाए, कागज वाली,
छतरी लेकर निकले खाली।

बूंदें गिरें टिम-टिम-टिम,
लगती मीठी-सी रिमझिम।

धो डाले सब पेड़-पौधे,
खुश हो जाएं सब छोटे-बड़े।

मिट्टी की खुशबू महक रही
बारिश रानी देखो लहक रही।



सृष्टि तीसरी 'ए' सोने का अंडा

एक गरीब किसान को मुर्गी मिलती है जो हर दिन एक सोने का अंडा देती है। किसान उसे बेचकर अमीर हो जाता है। लेकिन किसान को और अमीर बनने का लालच आ जाता है। वह सोचता है कि क्यों ना सारे अंडे एक साथ बेच कर अधिक अमीर हो जाऊँ। ऐसा सोच कर वह मुर्गी का पेट काट डालता है मगर उसमे से कोई अंडा नहीं निकलता और वह मुर्गी से भी हाथ धो बैठता है।

सच ही कहा है - लालच बुरी बला है।

सुखप्रीत कौर 4 ए

एक बड़े राजा की बेटी

एक बड़े राजा की बेटी ।
दो दिन से बीमार पड़ी ।
तीन तीन डॉक्टर देखने आये ।
चार दवा की पुड़िया लाये ।
पांच मिनट में घोल बनाया।
६.६: घन्टे बाद पिलाया ।
सात मिनट में होश आया।
आठ दिन में खोले नैना
नौ दिन में ली अगड़ाई ।
दस दिन में मां से बोली
करनी बहुत मुझे पढ़ाई

अगमवीर
चौथी 'अ'

आजादी

पंछी है कैद अगर, तो उड़ने में कर मदद तू
रात है काली अगर, दिया जला कर रौशन कर तू
बीत गए कई साल रुढ़िवादी
बिचारों में उलझ कर
सुलझा मन के भाव तू
औरत, आदमी या हो कोई बच्चा
सबके जीवन का कर सम्मान तू।
तोड़ दे दीवारें सारी आगे बढ़ विजयी राह पर।
उन वीरों ने क्या पाया, अगर तू अब भी डर में खोया
उठ जा तू छू ले आसमान आजादी पे है सबका हक

पुनीत कौर
4 व

समय

समय का जो रखता ध्यान,
जग में होता उसका मान ।
समय को जो खोता है,
बाद में रोता रहता है।
समय कभी नहीं रुकता है।
चलता है बस चलता है।
सफल वहीं यहाँ रहता है,
समय के साथ जो चलता है।

शौर्य पाल

4 ब



बोलने में कठिन शब्द

काला तरबूज, सफ़ेद कबूतर,
काला कबूतर, सफ़ेद तरबूज.

पहेली की उलझन

ऐसी कौन सी चीज है जिसे आप जितना ज्यादा तोड़ेंगे, वह उतनी ही बेहतर होती जाएगी?

संस्कृति

s ब

पुस्तक

पुस्तक होती है अनमोल, बिन बोले ही देती बोल।
पुस्तक देती हमको ज्ञान, जब होता मन परेशान।
सूझे ना जब कोई निदान, पुस्तक से मिलता समाधान,
पुस्तक में होती नई खोज, पुस्तक से मिलती नई सोच।
पुस्तक में रहता इतिहास, मनोरंजन हास और परिहास।
हर रहस्य को देती खोल, पुस्तक होती है अनमोल।

लावण्या सरकार

4 व

मेरा छाता

गोल - गोल सा मेरा छाता,
जब भी बारिश आती, वो है आता।

रंग - बिरंगा, सुंदर सा,
मुझको भीगने से बचाता।
खोलू तो वो बड़ा बन जाए,
बंद करू तो छोटा हो जाए।
धूप हो या हो बारिश तेज,
मुझको रखता वो हमेशा सेफ।
पकड़े रहता मम्मी या पापा,
सर पर छाया, ना कोई ताप।

जब भी मैं बाहर जाता,
अपना छाता साथ ले जाता

साहिबजोत सिंह, 3

देशभक्ति

अपने देश को प्रेम करना और उसके हित के लिए कुछ भी कर गुजरने के जुनून को देशभक्ति कहा जाता है। देश के लोगों की देशभक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होती है। लोगों की देशभक्ति ही है जो देश पर आने वाली मुसीबतों को रोक देती है। हमारे देश में बहुत से वीर योद्धा और महापुरुष हुए हैं जिनमें देशभक्ति की भावना कूट कूट कर भरी थी और उन्हें देश की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने में खुशी का अनुभव करवाती है। देशभक्ति ही एक ऐसी भावना है जो किसी भी देश में रहने वाले अलग-अलग धर्म और जाति के लोगों को एक साथ कर देती है। देशभक्ति हमें मानवता को गले लगाना और देश से प्यार करना सिखाती है। देशभक्ति राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। देश भक्त होने के लिए जरूरी नहीं कि व्यक्ति कोई सरहद पर खड़ा सैनिक ही हो बल्कि हर व्यक्ति किसी न किसी रूप से देशभक्त है क्योंकि वह किसी न किसी तरीके से देश की सेवा कर रहा है। किसान अनाज पैदा कर कर, डॉक्टर इलाज कर कर और हम लोग पर्यावरण की सुरक्षा कर कर भी देशभक्ति निभा सकते हैं। लेकिन आज के समय में बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो न ही देश का सम्मान करते हैं और न ही देशभक्तों का । वह देशद्रोह करते हैं। हम सब को चाहिए कि हम ऐसे असमाजिक तत्वों को रोके और लोगों में देशभक्ति की भावना उजागर करें। देशभक्ति हमें राष्ट्र के हितों की रक्षा करना और उसके नियमों का पालन करना सिखाती है। सच्ची देशभक्ति वह है जब व्यक्ति राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारी को समझे और विकास के लिए कार्य करें।

शालिनी, 10 ब

'नारी '

मैं बागों की तितली हूँ,
मैं कोमल फूलों की खिलती कली हूँ,
मैं रंग-बिरंगे मौसम की, हर चंचल नीर भरी हूँ
मुझे तोड़ों मत मुझे जीने दो,
मैं सभी के जीवन में कुछ रंग भर रही हूँ।
मैं बेटी, बहन, पत्नी हूँ,
मैं माँ का आशीर्वाद हूँ
मैं कल्पना, सुनीता और गीता हूँ,
मैं "महादेवी" की लिखित रचना हूँ।
मैं वो नारी शक्ति हूँ, हारे को जीत दे,
जो अनपढ़ को ज्ञान, जो हर 'झांसी' को
बलिदान दे।"



नाम - स्वर्णदीप कौर 3 अ

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए, सही तरह चलना सिखाए।
माता - पिता से पहले आता, जीवन में सदा आदर पाता। -
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे, सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे.
कभी रहा न दूर मैं जिससे, वह मेरा पथप्रदर्शक है जो।
मेरे मन को भाता, वह मेरा शिक्षक कहलाता।
कभी है शांत, कभी है धीर, स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा, काश मैं भी उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

एकांश चौहान III. 'अ'

मूसलाधार बारिश

बारिश आई बारिश आई
मूसलाधार बारिश आई
छम छम छम छम बारिश आई बारिश आई
गड़गड़ गड़गड़ बादल गरजे
चम चम चम चम बिजली चमके
पंख फैलाकर मयूर नाचे
बारिश आई बारिश आई
मूसलाधार बारिश आई
हरी-हरी सी, धरा हो गई.
बादल काले काले
पेड़ पौधे सब खिलखिला उठे
ताल सभी भर गए
बारिश आई बारिश आई
मूसलाधार बारिश आई

अलिप्पा श्रीवास्तव 7 ब



यादें

यादें जब याद आती हैं,
तो अश्रु बन बरस जाती हैं।
अच्छी हो चाहे बुरी हो
यादें याद जरूर आती हैं
वो यादें ही हैं जो दोस्ती की
याद दिलाती हैं
वो हँसी वाले पल फिर से दिखलाती हैं।
यादें जब याद आती हैं,
दिल थोड़ा तो दुखाती हैं,
सब कुछ छूट जाए जिंदगी में
मगर यादें रह जाती हैं।
बचपन की यादें
कितनी खास हुआ करती थी,
माँ की गोद में सोने से लेकर
दोस्तों के साथ खेलने की यादें
लाजवाब हुआ करती थी

बस ये सारे पुराने दिन, ये सारी बातें,
एक याद ही तो बन कर रह जाती हैं।।

-अग्निमा 12 अ

स्वच्छता

उठा लो झाड़ू उठा लो पोचा
उठा लो झाड़ू उठा लो पोचा,
पहुँचो जहा कोई भी न पहुँचा
कोई जगह न रहने पाए
कोई जगह न रहने पाए,
हर जगह को हम चमकाएँ.
सपना यही है बस अपना,
सपना यही हैं बस अपना,
स्वच्छता को अपनाना है....
भारत को स्वच्छ बनाना है
भारत को स्वच्छ बनाना है...!!

करमजीत कौर, 7 ब



तितली रानी



बड़ी सयानी तितली रानी
फूल - फूल पर जाती है।
फूल - फूल से, रंग चुराकर,
अपने पंख सजाती है।
बड़ी सयानी, तितली रानी,
मेरा मन ललचाती है।
इधर उधर उड़ जाती है।

पर्वी, 4 अ

माँ और जवान

जब आया था दुनिया में तो कोई नाम नहीं था।
अपनी माँ के पास रहना एक काम वही था ॥
रखने के लिए माँ-बाप का मान-सम्मान बेटा
बनने चला देश का एक वीर जवान

माँ की ममता गई घबरा
क्योंकि बेटे की थी परवाह ॥
करा है बेटा तूने नाम हमारा
पर ले गया सारा ध्यान हमारा
कहता रहा कि आऊंगा मैं जिन्दा
लेकिन आने से हो रही है उसकी निन्दा ॥

जब आवाज लगाई रात में
मेरे बेटे के नाम पे
कई जवान भी साथ थे
पर पाया ना वो जिनको
खिलाया इस हाथ ने

मैं जिन्दा हूँ माँ, कहने वाला बेटा
अब इस दुनिया में नहीं था
जब आया माँ के पास तो
अपनी माँ के साथ नहीं था
वो देश का एक जवान ही तो था।
वो देश का एक वीर जवान ही तो था ।

वंश शर्मा, 12 अ

माँ का प्यार

माँ की ममता सबसे न्यारी
माँ हैं मेरी प्यारी - प्यारी
माँ की ममता होती है अपरम्पार
सुख-दुख में करती है हमारी देखभाल
माँ के लिए सब , लफ़्ज़ कम पड़ जाते हैं
जब वह हमें प्यार से, अपनी गोदी में सुलाते हैं।
माँ की तारीफ जितनी भी करो,
वह कम ही रह जाती है,
माँ की ममता माँ का प्यार
माँ के आगे सबकी हार

करिश्मा कुमारी,

12

- बड़े चलो -

फूल बिछे हो या कांटें हो, राह न अपनी छोड़ो तुम।
चाहे जो विपदा आये, मुख को जरा न मोड़ो तुम।
साथ रहे या रहें न साथी हिम्मत मगर न छोड़ो तुम
नही कृपा की भिक्षा मांगो कर न दीन बन जोड़ो तुम
बस ईश्वर पर रखो भरोसा, पाठ प्रेम का पढ़े चलो।

गुरुत्तीन कौर

जल है तो कल है

जल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। जल के बिना मानव और सजीव सृष्टि का जीवन असंभव है। दिन की शुरुआत से लेकर रात होने तक हमारे सभी काम जल के बिना अधूरे हैं। जल पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों में से एक है। पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा हुआ है। लेकिन उसमें सिर्फ 3% पानी ही पीने योग्य है। इसलिए दुनियाभर में 75 प्रतिशत से ज्यादा लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। पृथ्वी पर प्रतिदिन जनसँख्या बढ़ती जा रही है जिससे पानी की कमी महसूस होती है। अगर हम ने आज से ही पानी नहीं बचाया तो आने वाले दिनों हमें जल संकट से गुजरना होगा। हमें जल का दुरुपयोग करना, बेवजह जल बहाना, जल दूषित कर देना आदि चीजों पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। "जल ही जीवन है" इसलिए जल का सही सीमित में प्रयोग ही हमें हमारा जीवन आसान करने में मदद कर सकता है।

दीपशिखा कुमारी
8th A



शुभांशु शुक्ला



जो अपने नाम की तरह शुभता बाँटते हैं,
मुस्कान से रिश्तों को और भी निखारते हैं।
मेहनत जिनका गहना है, सच्चाई जिनका साथ,
हर मंजिल को पा ले वों ,
यही प्रभु से प्रार्थना बार-बार।
कदमों में हो सफलता,
सपनों में हो उजाला,
शुभांगु शुक्ला जैसे लोग ही बनाते हैं
संसार को निराला ।

शुभांशु शुक्ला, ग्रुप कैप्टन, भारतीय वायु सेना के टेस्ट पायलट, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष स्टेशन में जाने वाले चार अंतरिक्ष यात्रियों में से पहले भारतीय है। वह वर्तमान में एक्सओम मिशन 4 पर हैं, जिससे वे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री और 1984 में राकेश शर्मा के बाद कक्षा में यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं।

शुभांशु शुक्ला, एक ऐसा नाम है, जो अपनी मेहनत, सादगी और सकारात्मक सोच से सभी के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उनके पिताजी, शंभू दयाल शुक्ला (सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी) और माताजी आशा शुक्ला के घर उनका जन्म हुआ।

शुभांशु शुक्ला, एक युद्धक नेता और अनुभवी टेस्ट पायलट हैं, जिनके द्वारा पास विभिन्न विमानों, जिनमें Su-30, MiG-21, M16-29, जगुआर हॉक, डोर्नियर शामिल हैं। उनके पास लगभग 2,000 घंटों का उड़ान अनुभव है।

शुभांशु शुक्ला, एक प्रतिभाशाली और साहसी टेस्ट पायलट हैं, जिनकी मेहनत, निडरता और तकनीकी समझ ने उन्हें इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में खास मुकाम दिलाया है। उन्होंने अपनी सूझ-बूझ, कुशल निर्णय क्षमता और अदम्य साहस से हर मिशन को सफल बनाया है।

उनकी टीम भावना, अनुशासन और जिम्मेदारी का भाव उन्हें सहकर्मियों के बीच आदर और सम्मान दिलाता है। देश को सुरक्षित और आधुनिक उड़ान तकनीक देने में उनका योगदान अतुलनीय है।

शुभांशु शुक्ला जैसे जांबाज पायलट ही हमारे देश के हवाई क्षेत्र को नई ऊँचाइयाँ देते हैं। वे अपने अनुभव से युवा पायलटों के लिए भी एक प्रेरणा बन चुके हैं।

हरबानी कौर

11 अ

जल ही जीवन है

जल से ही सब जीवन पाते जल बिना जीवित न रह पाते,
जल को क्यों फिर व्यर्थ बहाते बात जरा सी समझ ना पाते।

जल से ही धरती पर जीवन जल से ही वन और उपवन,
जल है जीवन का आधार जल को न फेंको बेकार।

बिना जल तुम रह नहीं पाओगे खेतों में अन्न कहां से उगाओगे,
जल ही अमृत, जल ही प्राण, जल के बिना दुनिया सुनसान ।

इसके बिना ना पशु और न खग, निर्जन हो जाएगा जग,
जल है जीवन का आधार जल को न फेंको बेकार ।

जल ही जीवन, जल ही जान, जल के बिना दुनिया श्मशान,
पानी है अनमोल रतन इसे बचाने का करो जतन ।

महत्व को इसके समझो समझाओ, आने वाली पीढ़ी हेतु जल तुम बचाओ,
जल है जीवन का आधार जल को न फेंको बेकार।

सिद्धान्त नलिन

7 अ

अंतरजाल

अंतरजाल ने हमारे जीने काम करने और बोलचाल के तरीके को ऐसे बदल दिया है, जिसकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। बस एक बटन पर क्लिक करके कहीं की भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

परन्तु यह एक वरदान नहीं अभिशाप है, यह एक नशे की तरह है, छोटे-छोटे बच्चे गैमिंग के आदी होते जा रहे हैं। सारा - सारा दिन मोबाइल या लैपटॉप पर गेम खेलते रहते हैं। अंतरजाल अधिक आलस का कारण भी बनता जा रहा है, इससे मानसिक तनाव बढ़ता है। इस से लोगों में बीमारियाँ पैदा होती हैं। अंतः में मैं यही कहूँगा कि अंतरजाल का प्रयोग केवल काम के लिए ही करें वरना इससे दूर रहें।

तनिषजोत सिंह
छठी 'ब'

बचपन

कितना निश्छल, कितना चंचल, कितना प्यारा है.
बढ़ी, नानी और माँ की आँरों का तारा यह बचपन
बच्चों को यह चाँद और तारे, सूरज, बादल भरमाते हैं
पूछे तरह-तरह की बातें, यह सब कहां से आते हैं
फूल, पहाड़, नदी और झरने कैसे शोर मचाते हैं
तोता, मैना, चिड़िया, कोयल कैसे गाना गाते हैं
भोली - भाली बातों से यह सब का मन मोह लेते हैं
अपना पराया यह न जाने दिल में घर कर लेते हैं
बचपन जीवन की प्रभात है, मानव जीवन की नीव है
कोरा - कागज सा यह बचपन, घर की एक तस्वीर है

अश्वनूर कौर, 9 अ

योग

योग हमारे शरीर और दिमाग के लिए बहुत अच्छा व्यायाम है। यह हमें स्वस्थ और मजबूत रहने में मदद करता है। हर उम्र के लोग योग कर सकते हैं। जब हम योग करते हैं तो हम अपने शरीर को खींचते हैं और गहरी श्वास लेते हैं। इससे हमें तरोताजा और खुश महसूस होता है। योग हमें शांत रहने में और आसानी से गुस्सा न करने में भी मदद करता है। हर सुबह, यदि हम योग करते तो हम पूरे दिन सक्रिय महसूस करते हैं। यह हमें बीमारियों से दूर रखता है और स्कूल में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करता है। यह ध्यान केंद्रित करना में भी मददगार है। यह हमारे शरीर को फिट और हमारे दिमाग को शांत रखता है। हमें प्रतिदिन योग करना चाहिए। योग दुनिया को भारत का एक उपहार है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नित्य योग करें।

तन्वी, 7 अ



ईमानदारी का फल

कमल नाम का एक गरीब लड़का था। वह जवान था, पढ़ा लिखा भी था पर बेकार था। बहुत कोशिश करने पर भी उसे कोई नौकरी नहीं मिली। एक दिन कमल अपने मित्र के घर जा रहा था, रास्ते में उसे एक पर्स मिला। कमल ने देखा की उसमें पूरे दस हजार रुपए थे। पर्स के अंदर एक कार्ड मिला। उस कार्ड पर पर्स के मालिक का नाम और पता लिखा हुआ था।

कमल वह पर्स लेकर पर्स के मालिक के घर पहुंचा। अपने रूपए सुरक्षित पाकर मालिक बहुत खुश हुआ। उसकी अपनी एक बड़ी फैक्टरी थी। उसने कमल को अपनी फैक्टरी में नौकरी दे दी। कमल मेहनती और ईमानदार भा। इसी कारण वह जल्दी ही फैक्टरी का मैनेजर बन गया।

सच है, ईमानदारी का परिणाम अच्छा होता है।

एकम जोत, 7 (अ)

चंदा मामा

चंदा मामा गोल मटोल
कुछ तो बोल, कुछ तो बोल
कल थे आधे, आज हो गोल
खोल भी दो अब अपनी पोल
रात होते ही तुम आ जाते,
संग साथ सितारे लाते,
लेकिन दिन में कहाँ छिप जाते,
कुछ तो बोल, कुछ तो बोल

आदित्य, 7 अ



मेरा स्कूल

स्कूल मेरा प्यारा प्यारा
ज्ञान का सागर न्यारा।
टीचर देते अच्छी शिक्षा,
मिलती है यहाँ हर इच्छा।

दोस्त मिलते, खेलते कूदते,
मिलकर बातें करते रहते ।
पढ़ाई भी है खेल भी है,
स्कूल मे सबसे अच्छा मेल भी है।

अर्पण तिवारी, 3 अ

प्रकृति का जादू

हरी-भरी ये धरती प्यारी, फूलों की है मुस्कान निराली ।
नदियाँ गाती मीठे गीत, पेड़ों से मिलती है नई प्रीत
सूरज देता रोशनी प्यारी, चौदनी बिखरे रात हमारी ।
पंछी चहकें हवा करें बात, प्रकृति रचती सुंदर आज।
बरसात की बूँदें जब आए, धरती माँ भी मुस्काए ।
इंद्रधनष रंग बिखराता, सारा आकाश चमक जाता ।
चलो मिलकर ध्यान लगाएं, प्रकृति को अब बचाए ।
पेड़ लगाएं, जल बचाएं, धरती को फिर हरा बनाएं।

दक्ष यादव, 7 अ

मैंने गाँव को शहर बनते देखा है!

मैंने गाँव को शहर में बदलते देखा है,
झोपड़ी से महल बनते देखा है,
थे जो कल तक गोबर के आँगन,
उन्हें भी संगमरमर में बदलते देखा है!
खुला खुला सा जो घर कल तक,
उन्हें भी दीवारों में चुनते देखा है!
मैंने गाँव को शहर में बदलते देखा है!

कल तक थे जो आवारा,
उन्हें भी अकड़ते देखा है,
थे जो अब तक हरिश्चंद्र,
उनको भी झूठ बोलते देखा है,
जो रहती थी दो कौमें एक साथ,
पता नहीं क्यों उनको भी लड़ते देखा है!
मैंने गाँव को शहर में बदलते देखा है!

झुंड में रहती थी जो सहेलियाँ,
उनको बिछड़ते देखा है,
भाई-बहन रहते थे जो प्रेम से,
उनके भी सिर फूटते देखा है,
पता नहीं कब क्या हो गया,
मिठी लगने वाली वाणी में भी,
जहर घूलते देखा है,
मैंने गाँव को शहर में बदलते देखा है!

एक चूल्हे पर सब खा लेते,
उन्हें भी चार होते देखा है,
सास बहू का प्यारा था जो रिश्ता,
उसमें भी तकरार होते देखा है,
कल तक डरती थी जो बहुएँ सास से,
उन्हीं सास को बहुओं से डरते देखा है,
मैंने गाँव को शहर में बदलते देखा है!

घर में रहती थी जिनके गाय भैंस,
उन्हें भी दूधिए से दूध लेते देखा है,
जिस घर में कभी बसेरा था ऊँट- घोड़े का,
उनकी जगह अब कार आते देखा है,
सच्चे पथ पर चलते थे जो प्राणी,
उन्हें भी पथ छोड़ते देखा है,
मैंने गाँव को शहर में बदलते देखा है!

ना होती कोई चीज घर में,
तो प्यार से पड़ोसी को देते देखा है,
पर अब बदल गई है वो दुनिया,
छोटी छोटी बातों को बतंगड़ बनते देखा है,
जो मोहल्ला होता था घर जैसा सबका,
उसे घर की चारदीवारी में बंद होते देखा है,
मैंने गाँव को शहर में बदलते देखा है!

शादी विवाह की बात करें क्या, सबको बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते देखा है,
गाँव मोहल्ले के सब जन को, घर में इकठ्ठा देखा है,
पता नहीं कब, क्या हो गया, अब तो जिमाने के लिए भी,
लोगों को किराए पर लाते देखा है!
मैंने गाँव को शहर में बदलते देखा है!

महेश महनसर
पीजीटी हिन्दी

विद्यालय के गौरव



इन्सपायर अवार्ड



एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत कला उत्सव में खंडीय स्तर पर साहित्य शर्मा और सवरीन कौर को द्वितीय पुरस्कार



भारतीय स्काउट व गाइड के अंतर्गत साहित्य शर्मा को राज्य पुरस्कार प्राप्त

समूह गान प्रतियोगिता में खंडीय स्तर पर द्वितीय स्थान



स्केटिंग में क्षेत्रीय स्तर पर शान कौर को स्वर्ण पदक प्राप्त

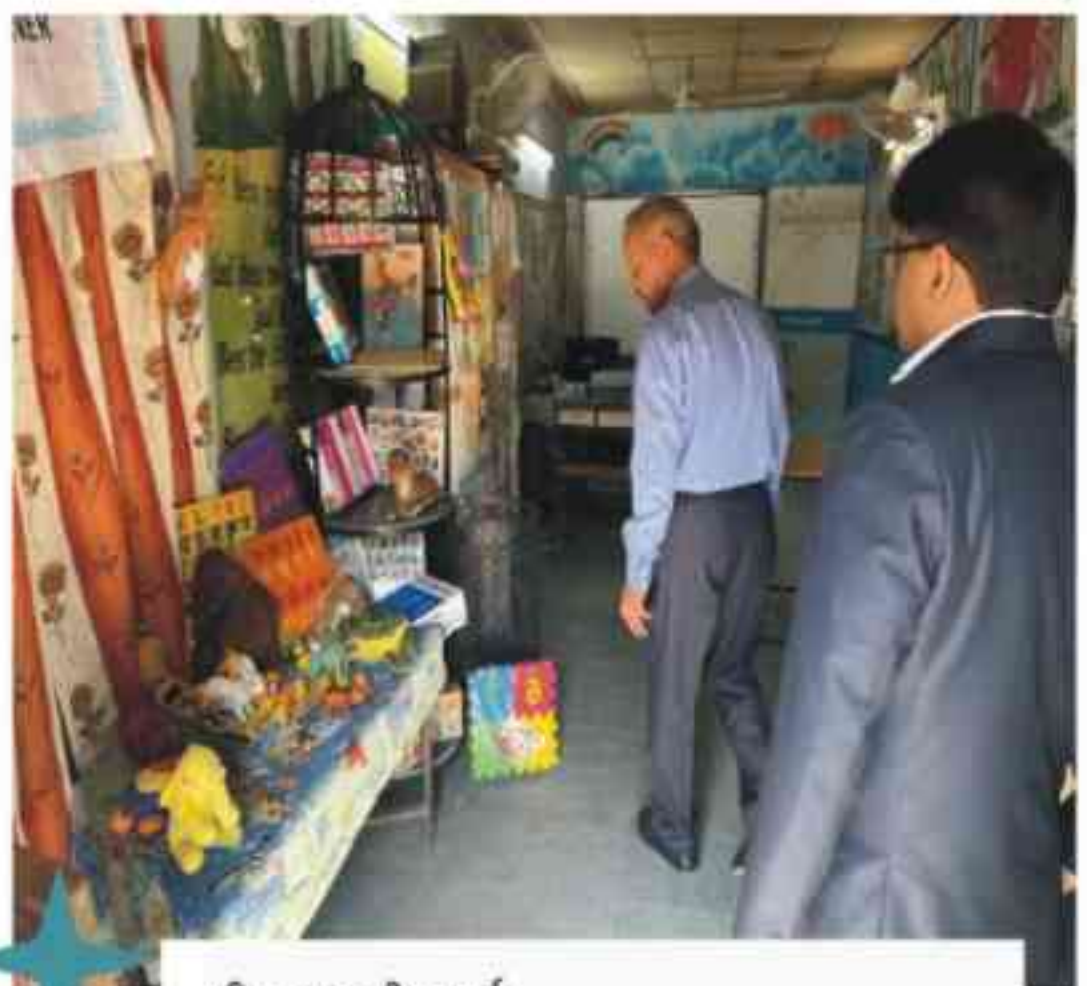


कला उत्सव के अंतर्गत विद्यालय नाटिका क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान

गणमान्य व्यक्तियों का दौरा



श्रीमती प्रीती सक्सेना
उपायुक्त क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़



श्री आर सी शर्मा
सहायक आयुक्त क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़



पुस्तकालय गतिविधियाँ

पुस्तक उपहार



पुस्तक मेला



पुस्तक प्रदर्शनी



कैरियर काउंसलिंग



संस्कृत अनुभाग



सम्पादकस्य लेखनीतः...

"शिक्षायाः उद्देश्यः केवलं जानकारीं दातुं नास्ति, अपितु जीवनस्य निर्माणं करणमेव।"

शिक्षा न केवलं सूचनायाः सम्प्रेषणेन सीमितं भवति, अपि तु सा छात्राणां हृदये स्थितेषु भावेषु, प्रतिभासु, विचारेषु च जागरणं करोति। एषा रचनात्मकता एव राष्ट्रस्य उज्ज्वलभविष्यस्य आधारशिला भवति। विद्यालयपत्रिकायाः प्रमुखः लक्ष्यः अस्ति।

पत्रिकायाः अस्मिन् अङ्के छात्राणां अन्तःकरणे निहितानां भावनानां, अनुभवानां च अभिव्यक्तये अवसरः प्रदत्तः अस्ति। न केवलं लेखनशक्तेः विकासाय, अपि तु विद्यालयस्य विविधक्रियायाः विवरणाय अपि एषः प्रयासः कृतः अस्ति।

अहं आदरणीयः प्राचार्यः श्री नरेशकुमारस्य प्रति हार्दं कृतज्ञतां निवेदयामि, यस्य निरन्तरप्रेरणया मार्गदर्शनेन च एषस्य पत्रिकायाः प्रकाशनं संभवमभवत्। विद्वांसः अनुभवी च सम्पादकमण्डलः, मम सहकारिणश्च, ये पत्रिकायाः प्रकाशनाय अथकं परिश्रमं कृतवन्तः, तेषां सर्वेषां प्रति मम विशेषः आभारः अस्ति।

सोनिया यादव

स्नातक संस्कृत-अध्यापिका
सम्पादकः

संस्कृत प्रार्थना एवं हिन्दी अनुवाद

संस्कृत श्लोक

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः।
सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु।
मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत्।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

हिन्दी अनुवाद

सभी सुखी हों। सभी रोगों से मुक्त रहें।
सभी का जीवन मंगलमय हो।
कोई भी दुःख का भागी न बने।
हे भगवान, हमें आशीर्वाद दें।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

नामः अक्षरा

कक्षा: 7वीं (अ)

संस्कृत श्लोक एवं हिन्दी अनुवाद

श्लोक 1

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति॥

हिन्दी अर्थ

मनुष्यों के शरीर में रहने वाला आलस्य एक बहुत बड़ा शत्रु है। उद्योग (धैर्य और मेहनत) सबसे सच्चा मित्र है, क्योंकि परिश्रम करने वाला कभी दुखी नहीं होता।

श्लोक 2

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारता
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

हिन्दी अर्थ

जब-जब इस पृथ्वी पर धर्म की हानि होती है और अधर्म बहुत बढ़ जाता है, तब-तब मैं (भगवान) इस भूमि पर जन्म लेता हूँ।

श्लोक 3

सङ्गमात् स्फुरति कार्यसिद्धिर्भवति॥

हिन्दी अर्थ

ध्यान, कठिन परिश्रम और लगन से सभी कार्यों में सफलता मिलती है।

सुमित, कक्षा 7अ



विविधेषु ग्रन्थेषु संक्षिप्ता संज्ञा

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः चतुर्षु वेदेषु अन्यतमः अस्ति। अस्मिन् विविधाः स्तुतयः, अघशान्त्यः, चिकित्साशास्त्रं, तन्त्रविद्या, विज्ञानं, दर्शनं च वर्णितमस्ति।

इतिहाससम्बन्धः

महाभारतः, कालिदासः, अस्त्यस्य जन्मकथायाः, कुर्मपुराणस्य, विवाहस्य, कुमारस्य कार्तिकेयस्य जन्मकथाः कथाः नीतिन्यासाः अपि च।

पञ्चतन्त्रः

अस्य नीतिग्रन्थस्य लेखकः विष्णुशर्मा अस्ति। अस्मिन् ग्रन्थे पञ्च प्रकाराणां सत्त्वानां पात्र पशुपक्षिणां कथाः सन्देशेन शिक्षायुक्ताः दत्ताः।

नटराङ्गचन्द्रिका

सङ्कृतनाटकेषु सुप्रसिद्धग्रन्थः अस्ति। अस्य नाट्यशास्त्रं यथायोग्यं मन्त्रवत् वर्णितं अस्ति। अस्मिन् नाटके भगवतः रामस्य, चन्द्रसेनस्य, सीतायाः चरित्रं वर्णितम् अस्ति।

नीतिशतकम्

भर्तृहरिः संस्कृतस्य महान कविः अस्ति। सः शतकत्रये प्रसिद्धः। नीतिशतकं नीतिश्लोकस्य प्रसिद्धः ग्रन्थः अस्ति।

किरातार्जुनीयम्

सङ्कृतस्य महाकाव्येषु एकं प्रमुखं ग्रन्थम् अस्ति। अस्य लेखकम् भारविः अस्ति। अस्मिन् ग्रन्थे किरातवेषधारिणः शिवस्य अर्जुनस्य च कथा वर्णिता अस्ति।

नाम - अवनी सिंह

कक्षा - सातवीं 'ब'

गीता श्लोक अर्थ

1. कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचना
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि॥

कर्म करने में ही तुम्हारा अधिकार है, उसके फल में कभी भी नहीं। इसलिए कर्मों के फल की चिंता किए बिना कर्म करते रहो।

2. यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारता
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

श्रीकृष्ण कहते हैं - जब भी, जहाँ भी धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं अवतार लेता हूँ।

3. वासांसि जीर्णानि यथा विहाय, नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि, संयाति नवानि देही॥

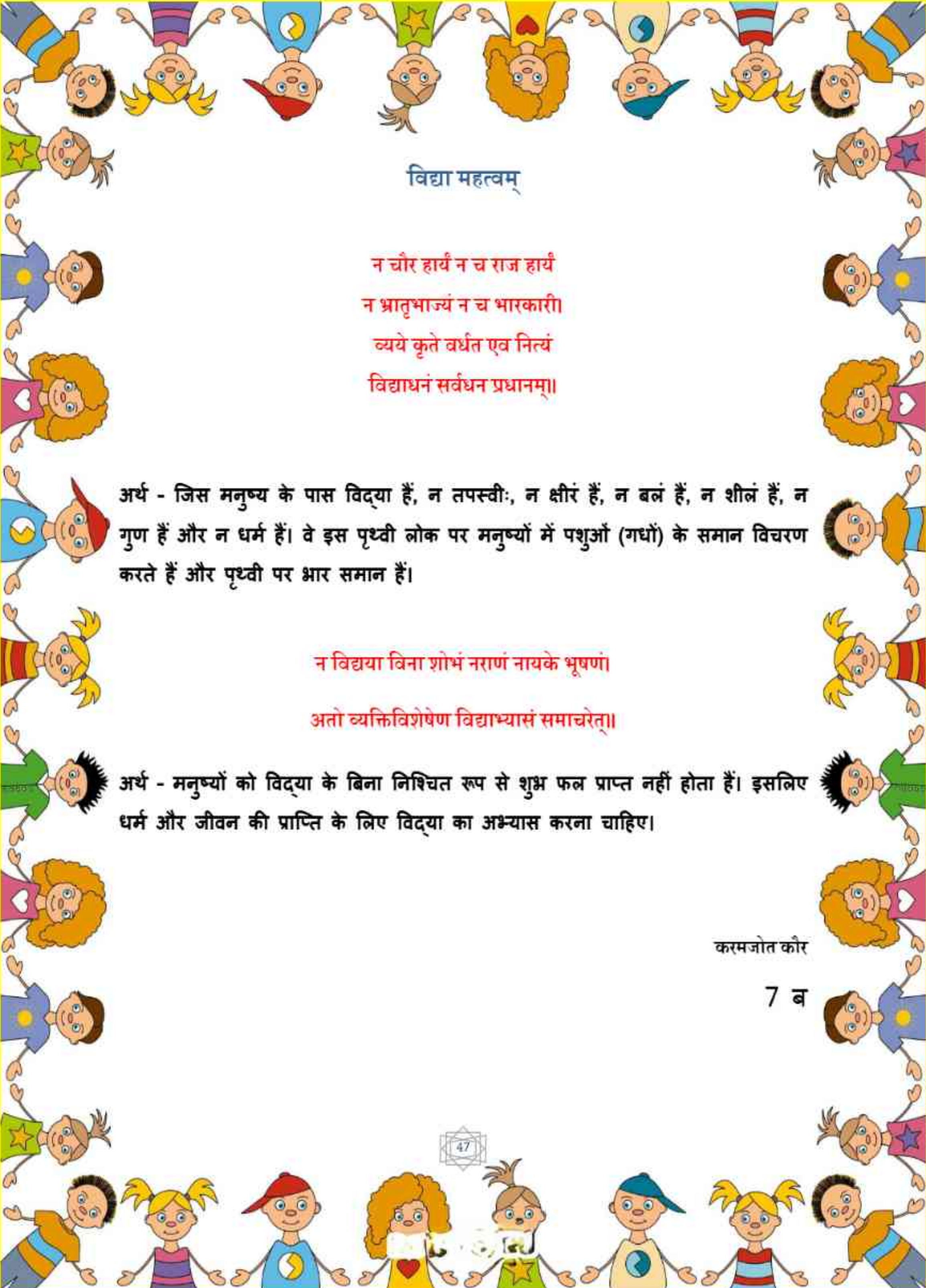
जिस प्रकार मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्याग कर नये वस्त्र धारण करता है, उसी प्रकार आत्मा पुराने शरीरों को त्याग कर नये शरीर धारण करती है।

4. नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

आत्मा को न तो कभी कोई शस्त्र काट सकता है, न अग्नि जला सकती है, न जल गला सकता है, और न वायु सुखा सकती है।

- श्रीमद्भगवद्गीता उपदेशक
अग्निमा, 12अ





विद्या महत्वम्

न चौर हार्यं न च राज हार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारी
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं
विद्याधनं सर्वधन प्रधानम्॥

अर्थ - जिस मनुष्य के पास विद्या है, न तपस्वीः, न क्षीरं हैं, न बलं हैं, न शीलं हैं, न गुण हैं और न धर्म हैं। वे इस पृथ्वी लोक पर मनुष्यों में पशुओं (गधों) के समान विचरण करते हैं और पृथ्वी पर भार समान हैं।

न विद्याया विना शोभं नराणं नायके भूषणं
अतो व्यक्तिविशेषेण विद्याभ्यासं समाचरेत्॥

अर्थ - मनुष्यों को विद्या के बिना निश्चित रूप से शुभ फल प्राप्त नहीं होता है। इसलिए धर्म और जीवन की प्राप्ति के लिए विद्या का अभ्यास करना चाहिए।

करमजोत कौर

7 ब

शिक्षक दिवस

विद्यालय में विविध दिवस आयोजन

राष्ट्रीय एकता दिवस



विदाई समारोह



अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस



के वि सं स्थापना दिवस



परीक्षा पे चर्चा



परीक्षा पे चर्चा



वन महोत्सव



अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस





स्वच्छता अभियान



वृक्षारोपण



शपथ ग्रहण



स्काउट गाइड गतिविधियाँ



पोस्टर निर्माण



वृक्षारोपण



स्वच्छता अभियान



एन सी सी गतिविधियाँ

स्टेम गतिविधियाँ



ENGLISH SECTION





Dear Readers,

'To me, the greatest pleasure of writing is not what it's about, but the inner music the words make.'-Truman Capote.

In resonance with the above quote, I feel writing is the most valuable literary expression. The inculcation of passion for creative thinking and writing amongst the students is one of the major objectives set by Kendriya Vidyalaya, Baddowal 'Srijan' has served as a great platform to vent out students' passion for writing and encourage original thinking within them.

The student authors have put across some amazing pieces of writing displaying their creative thinking and writing skills. The works included in this edition are extremely simple but will surely provide an opportunity to peep into a child's thought process and his or her axiomatic creative thinking. It is actually a lovely experience to see these enthusiastic writers voicing their feeling through stories, poems, jokes and initiating an adult role through various eye-opening discussions.

The publication of Srijan is a sheer result of team work. I am thankful to all the blooming writers who have penned their ideas for this magazine. I also acknowledge constant hard work of the student who have proven to be a catalyst in mobilizing the students to write their views and efficiently edited the write ups. I would also like to extend my sincere thanks to our Principal Mr. Naresh Kant for his constant support and guidance through the entire process of planning and publication of Vidyalaya Patrika.

I wish all the readers a Joyful reading!

Amandeep Kaur
PGT English
The Editor



Career Options in the Commerce Field After 12th Commerce

Choosing the right career path after Class 12th is one of the most crucial decisions in a student's life. For students who have completed their 12th with Commerce, the world of opportunities is vast and diverse. Whether you're inclined towards finance, business, law, management, or creative fields like design and digital marketing, Commerce provides a strong foundation to build a successful career.

Top Career Options in Commerce After 12th

1. Bachelor of Commerce (B.Com)

One of the most popular undergraduate courses, B.Com offers a general understanding of subjects like accounting, economics, business law, and taxation. It is a stepping stone for higher education and professional courses.

- Duration: 3 years
- Specializations: B. Com (Hons), B. Com in Accounting, Finance, Taxation, etc.

2. Chartered Accountancy (CA)

CA is a prestigious and challenging course for students interested in accounting, auditing, and taxation. It is conducted by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

- Stages: CA Foundation → CA Intermediate → CA Final
- Duration: Approx. 4–5 years (with training)

3. Company Secretary (CS)

This course focuses on corporate laws and governance. Conducted by the Institute of Company Secretaries of India (ICSI), CS professionals ensure regulatory compliance in companies.

- Stages: CSEET → Executive Programme → Professional Programme
- Duration: Approx. 3–4 years





4. Cost and Management Accountancy (CMA)

Offered by the Institute of Cost Accountants of India, CMA is ideal for those interested in cost auditing, financial analysis, and management accounting.

- Duration: 3–4 years

- Scope: Works in both private and government sectors

5. Bachelor of Business Administration (BBA)

A professional degree that introduces students to the core aspects of business and management. It is ideal for students aspiring for an MBA later.

- Duration: 3 years

- Specializations: BBA in HR, Marketing, Finance, International Business, etc.

6. Bachelor of Economics (B.A. Economics / B.Sc. Economics)

For students interested in analytical and quantitative aspects of Commerce, Economics provides in-depth knowledge of the economy, markets, and policies.

- Duration: 3 years

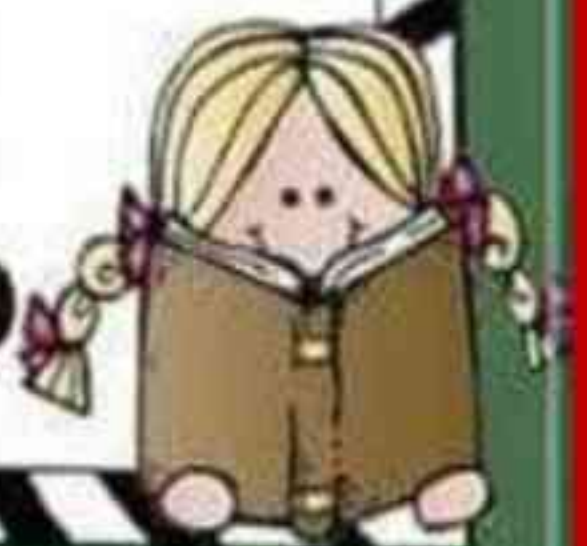
- Career paths: Economist, Data Analyst, Financial Analyst

7. Law (LLB)

After 12th, students can opt for a 5-year integrated law course such as B.Com LLB or BBA LLB. It opens avenues in corporate law, civil law, criminal law, etc.

- Duration: 5 years

- Exams: CLAT, LSAT India, SLAT





8. Hotel Management

A popular choice for those with hospitality and management skills. Courses are available in hotel operations, culinary arts, and tourism.

- Duration: 3–4 years
- Institutes: IHM, private universities

9. Digital Marketing

With the growth of the internet, digital marketing has emerged as a high-demand career. Students can pursue diploma or certification courses in SEO, social media, content marketing, etc.

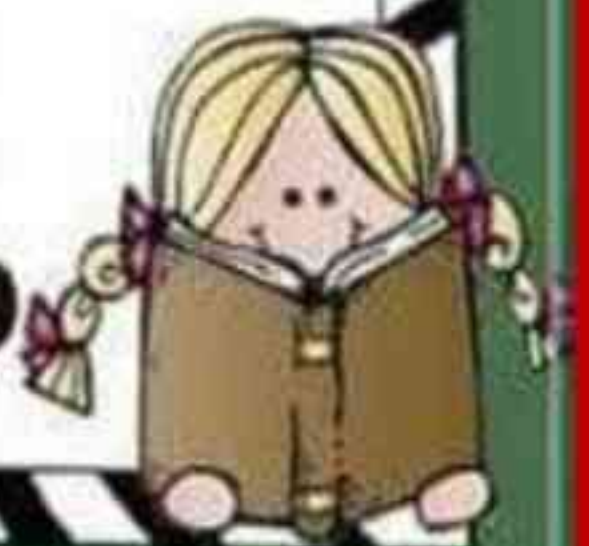
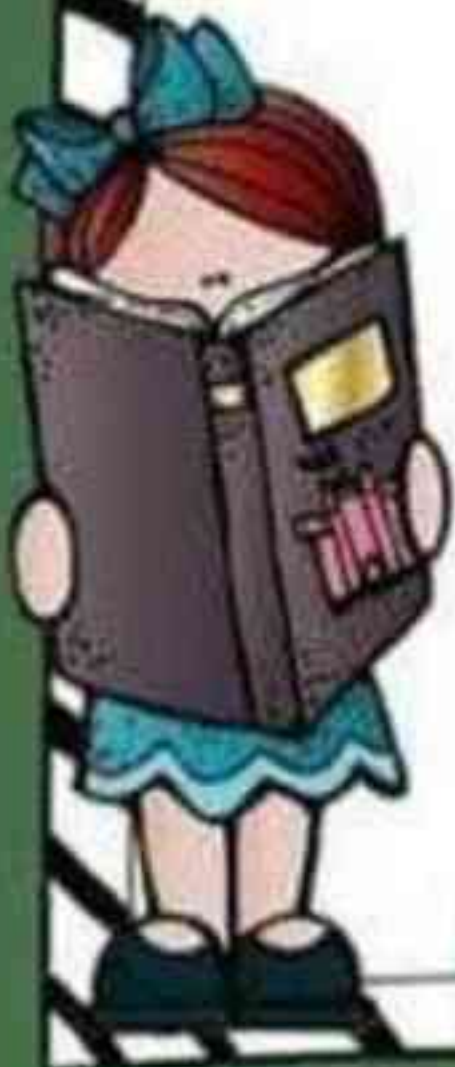
- Duration: 6 months to 1 year
- Roles: Social Media Manager, SEO Analyst, Digital Marketing Executive

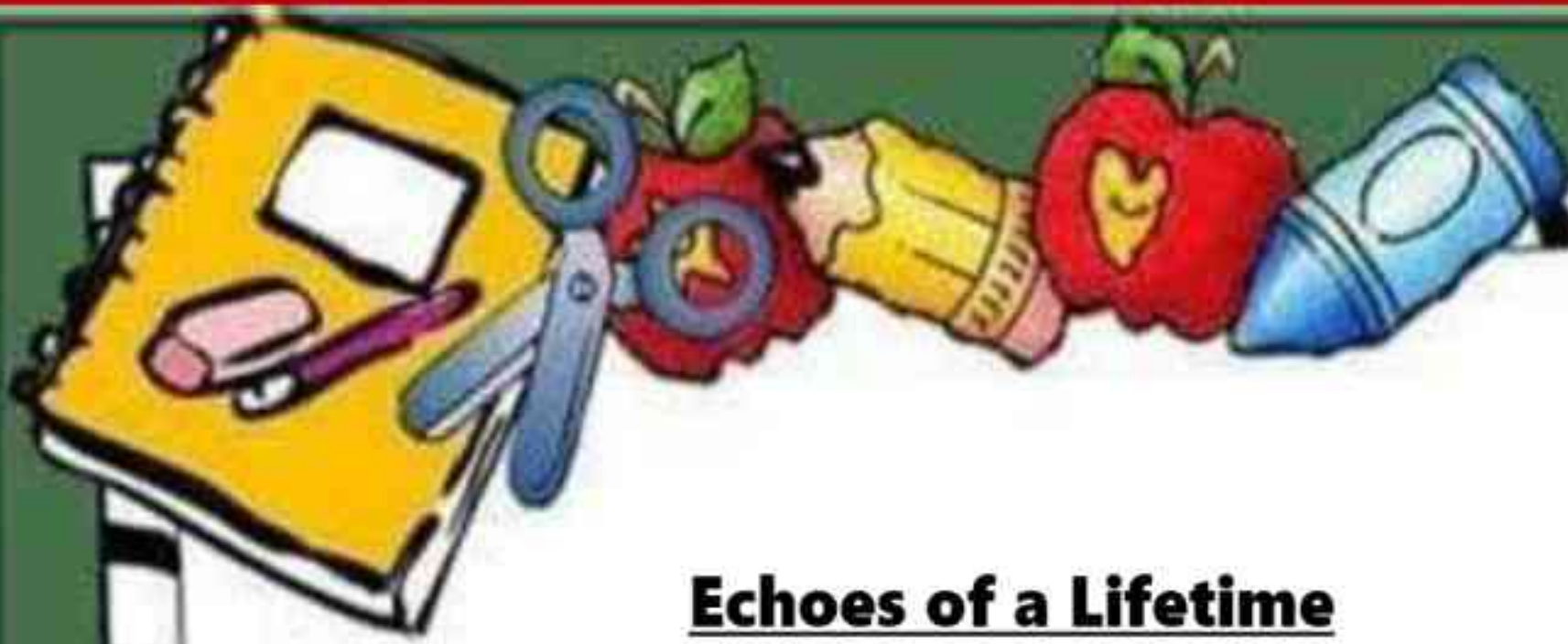
10. Certified Financial Planner (CFP)

CFP is a professional certification for financial planning, wealth management, and investment planning.

- Duration: 6 months to 2 years
- Demand: High in banks, insurance, and financial advisory firms

Renuka Chawla
PGT Commerce





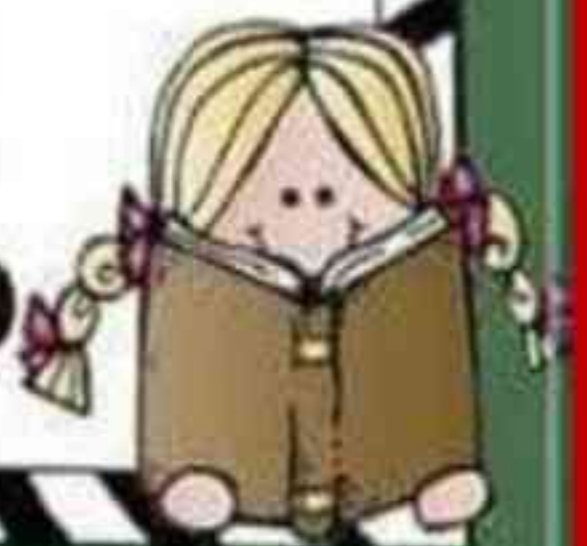
Echoes of a Lifetime

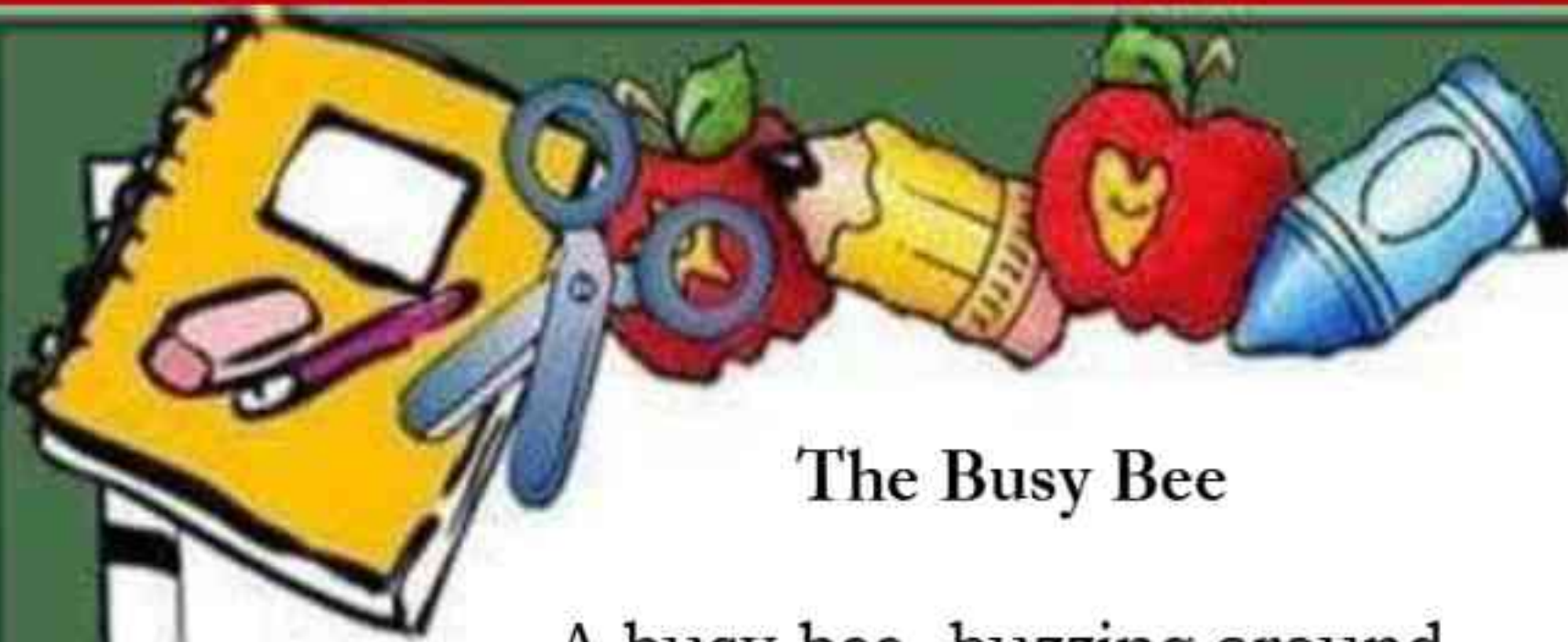
In corridors echoing dreams & cheer,
we stand on the edge of our final year
Debits and credits still fight in our heads,
we dream of accounts asleep in our beds

The benches, jokes and random fights,
The sleepy days, the sleepless nights.
Waking up late, skipping breakfast too,
forgetting our homework, what else is new?

We owned the class, the field, the fest
And no doubt- are the best.
With joy & happiness and zero despair
No other batch could even compare.

Harman deep Kaur
XII A





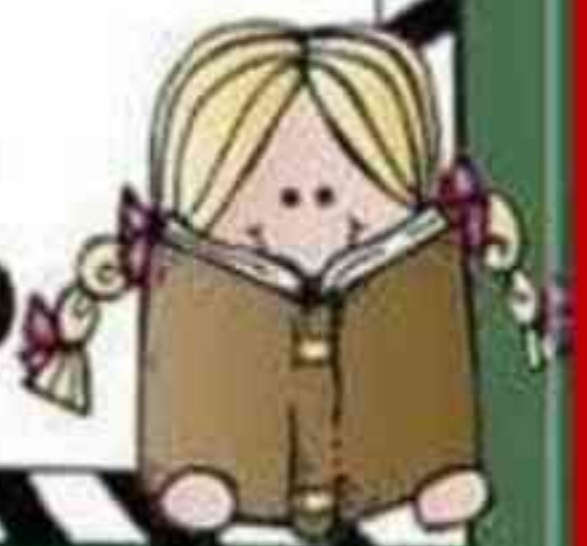
The Busy Bee

A busy bee, buzzing around,
From lower to flower, on the ground
It collects nectar, sweet and bright
Working hard since morning light.

It makes honey, Oh so yummy,
For all the bears with hungry tummy
Little bee, with wings so fast,
Your hard work will surely last!

Rasika Sharma

III - A





If I Could Talk to my Future Self!

If I could Talk to my future self, I would have so many questions, yet so many things to say. I imagine meeting a wiser, calmer version of me - someone who has lived through everything I am worried about right now.

I'd ask: Did you follow your dreams? Did you make the right choices? Are you proud of me- the 17-year-old version sitting at her study table, wondering if all this hard work will be worth it?

But more than questions, I'd want comfort. I'd want my future self to tell me it's okay to be confused, to fail, and to feel lost sometimes. I hope she reminds me that every sleepless night, every sacrifice, and every act of kindness that helped shape a beautiful life.

I'd also remind her not to forget where she came from the silly jokes with her friends, the smell of classroom chalk, the fear of exams and the thrill of doing something new. I'd tell her to be kind, stay grounded, and never lose the spark in her eyes. Talking to my future self would be like meeting hope in person. Maybe I don't need all the answers now. Maybe I just need faith that the person I'm becoming is someone I'll be proud to meet someday.

Until then, I'll keep trying, keep growing and keep believing.

Manyata Sharma
XII-A





My Little Pet

I have a pet, so small and sweet,
With tiny paws and happy feet.

It wags its tail when I come near,
And chases away all my fear.

We play all day, in sun and rain,
Then cozy up, again and again.

My little pet, my dearest friend,
Our happy times will never end.



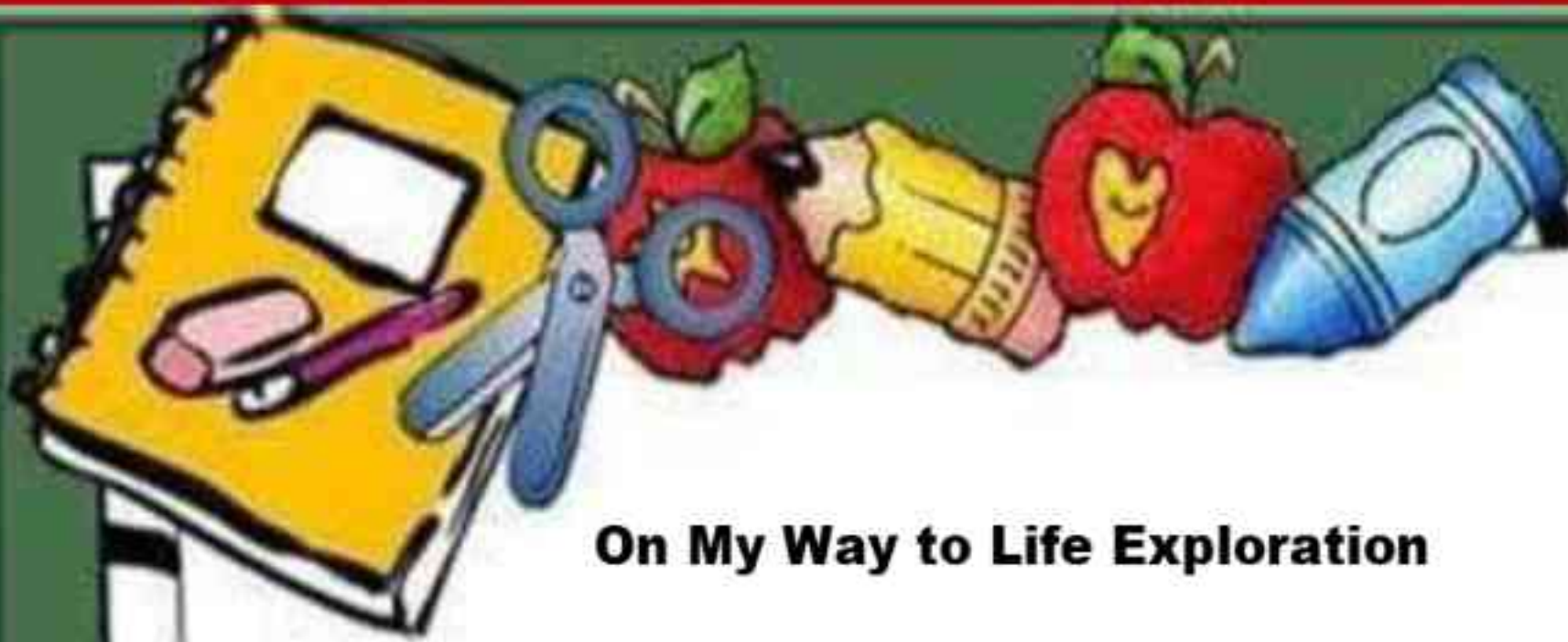
Naman III – A

Summer Time

Summer time, summer time
Let's go out and play.
Time for fun and lots of sun,
I love these kinds of days!
Summer time, summer time,
Swimming to stay cool.
Pillow fights, and night bites
An awesome break from school!

Ashwik Singh VIII - B





On My Way to Life Exploration

On my way to explore my heart,
Now it's time for the Journey to Start.
To teach it to forget the sorrow,
Leaving Behind all the plains, not to borrow.

And to admire the beauty of happiness
And to fill my heart with complete craziness.
On my way to make a better me,
I have changed a lot you see,

Which is the strongest of all
Weakness has fallen with the autumn fall.
Which can climb the ladder of challenges.
My Beauty & strength together challenges

On my way to be more confident,
Being nowhere close to being incompetent.

With a vision to stand out in public.
Success is the one which I need to click
And to be the best version of myself.
With my efforts life will be paradise itself.

Rohanjot Singh
XII-A





The Last Year of School (A Journey to Remember)

The final chapter of our school journey is more than just a year. It's a bundle of emotions, unforgettable memories and lifelong bonds. As commerce students, we juggle Accountancy, Business Studies, and Economics while living the most memorable days of our lives.

What makes it extra special are the people-our lovely teachers who guided us like second parents and our classmates who turned every ordinary day into something magical. Whether it's solving doubts together or planning group studies that end in laughter, every moment with them is priceless.

The bond with our teachers grew deeper, their advice felt more meaningful, and their blessings more heartfelt. My classmates became family. From sharing tiffin to sharing dreams, we've grown together.

This final year is not just an ending; it's the doorway to new beginnings. We may step out of school but the love, laughter and lessons will always stay in our hearts.

Mehakdeep Kaur
XII-A





SOCIAL MEDIA

The term social media refers to a computer-based technology that facilitates the sharing of ideas, thoughts and information through virtual network and communication. Social media is internet - based and gives users quick electronic communication of content speech of personal information documents, video and photos users with Social media in a computer, tablet or smartphone in web-based software or application. While Social media is ubiquitous. America, Europe, and Asian countries like Indonesia lead the list of social media usage.

Amanpreet Kaur, IX - A

The Lost Wallet



One day, a boy named Sam, found a wallet on the street. It was full of money and had an ID card. Instead of keeping it, he went to the address on the card and returned it to its owner, an old man. The man was very grateful and offered him a reward. Sam politely refused and said, "Doing the right thing is enough for me." The man smiled and praised his honesty. From that day on, Sam felt proud knowing he had done the right thing. Moral - Doing good brings inner peace and respect.

Abhijot Singh.VIII - B



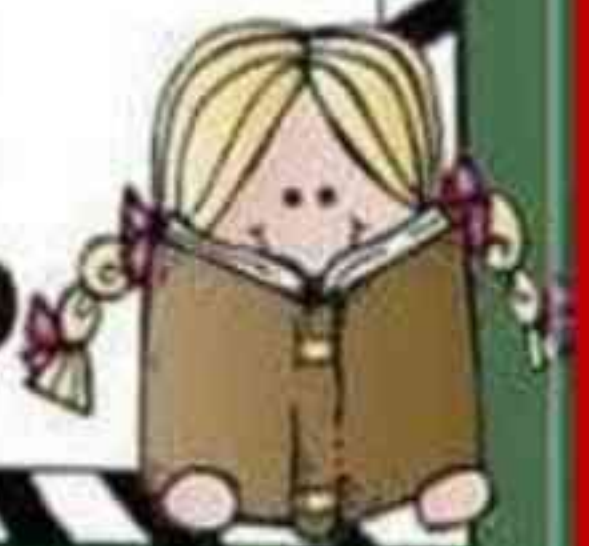


Child Labour is Child Abuse

Child labour is not just a social issue, it is a silent scream of stolen childhoods and shattered dreams. When little hands meant for books and toys are forced to carry bricks or polish shoes, it becomes a heartbreaking form of child abuse. These innocent souls are denied love, laughter and learning, they are pushed into a world of hardship and pain. Every day spent in labour takes away their smile, their future and their right to live freely. Child labour is a cruel injustice and turning a blind eye makes us a part of the problem. Let's raise our voice to protect every child's future. According to the International Labour Organizations (ILO) over 160 million children are engaged in child labour globally. Many of them are under dangerous degrading and exploitative conditions. That's one in ten children worldwide.

These are children whose crayons were replaced by hammers, whose playgrounds became fields of thorns, whose lullabies are now replaced by the hum of machines. By allowing child labour, we're breeding inequality, stagnation, and social unrest. So, it is time to stop this evil uninterrupted series and make a world equal for all children.

-Akhil Singh Chauhan
VIII - B





New Advancements in Space Technology

"Space is the boundless frontier & technology is our Spaceship." In recent years, Space exploration has taken a giant leap forward. From reusable rockets to lunar landings, the future is no longer far away - it's unfolding now.

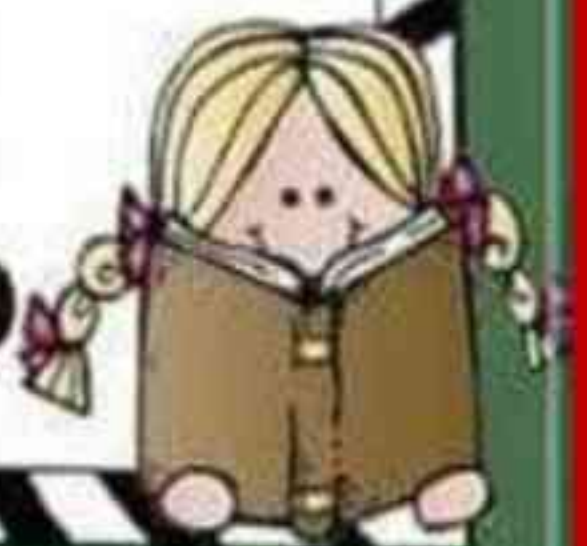
India's Chandrayaan - 3 made history by landing near the Moon's south pole, a first for any nation. NASA'S Artemis program is also preparing to send astronauts back to the Moon - and one day, to Mars.

The James Web Space Telescope (JWST) is offering stunning images of deep space, revealing secrets of galaxies & stars billions of years old. Space tourism is also becoming a reality, bringing us closer to everyday space travel.

Stephen Hawking once said, "Remember to look up at the stars & down at your feet."

With every new breakthrough, we move closer to exploring the unknown - and understanding our place in the universe.

Rohanjot Singh
XII - A





Flower's Corners (TULIPS)

There are over 150 species of tulips with over 3000 different varieties. Their flower buds are known for being almost perfectly symmetrical. Tulips are a part of the lily family. Tulips only bloom for 3-7 days in spring. We can find tulips in almost any colour. Tulips were once the most expensive flower. Make a mistake? White Tulips means "I'm sorry." Tulips are native to central Asia but didn't really become popular until reaching the Netherlands. Tulips are also said to signal the arrival of spring. The Parkinson's disease foundation uses a tulip as its symbol.

Jannat

IX - A

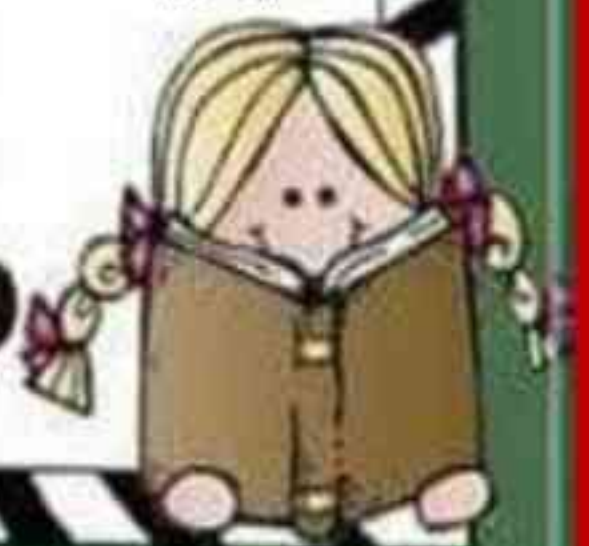
Rabindranath Tagore



Rabindranath Tagore was a famous poet, writer and artist from India. He was born on May 7, 1861 in Kolkata. Tagore is best known for writing the national anthem of India, "Jana Gana Mana". He was the first non-European to win the Nobel Prize in Literature in 1913. Tagore wrote many poems, stories, and songs that spoke about love, nature and the beauty of life. He also worked to improve education and bring people together. His work continues to inspire people all over the world and his birthday is celebrated as Rabindra Jayanti.

Jasnoor Singh

VI - A





A Peaceful Space

I and my friends, We played football today.
There was no boy around,
and looking at their laughing faces,
I realized something, Something so pure,
so valuable and oddly Satisfying
Woman among women, a gentle space,
Comfort and laughter, a warm place,
Sisters in spirit, shining bright
No one trying to be a lady with delight,
In each other's company, our heart at peace,
A sense of belonging, we find our ease,
Free to be ourselves, without a care,
Women among women, a love beyond compare.

Jasmeet Kaur
XII - A





Beautiful mind, Better than a Fair Complexion

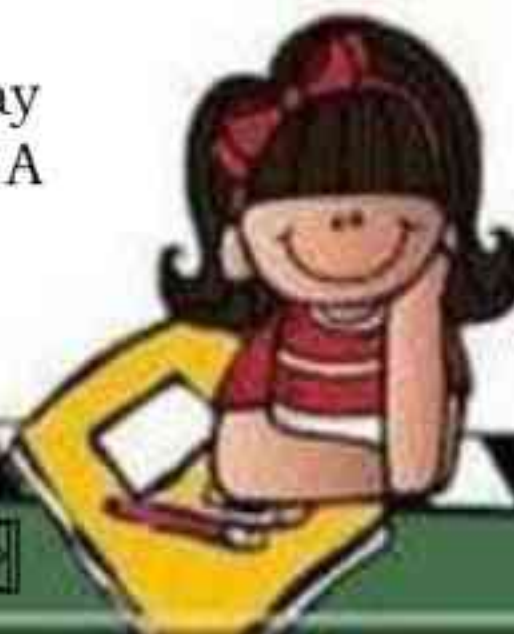
Someone has very rightly said, 'Beauty isn't about having a pretty face. It is about having a pretty mind, a pretty heart and most importantly, a beautiful soul.' However, there are still many people who lack this moral and run after appearance rather than personality.

In India, people are so obsessed with fair complexion that they reject the girl for marriage just because of her dark complexion. When we read matrimonial advertisements, it is really sad to see that everyone wants a fair Complexion bride. For jobs, everyone demands fair skin people. High sale of all fairness creams is also an indication of people's obsession with fair complexion.

It is totally in contrast to people of western countries where they are crazy about getting tanned skin. Also, they pay a good amount to get that. It is high time that we understand that we are all supposed to be different. Our brown skin has its own beauty and it perfectly suits us. What matters is we have a beautiful heart under the skin. We need to focus on being good human beings.

Only that will take us somewhere in life. Not to forget, beauty is something that will stay only for a short period of time whereas, a positive character is eternal. So, instead of giving preference to a fair complexion, focus on having a beautiful mind.

Abhay
VII – A





Unplugged with Technology

No buzzing phones, no glowing screens,
Just morning sun and peaceful scenes.

No selfies clicked, no reels to scroll,
Just time to breathe and fuel my soul.

I played outside, I laughed and ran,
Wrote silly poems with pen in hand.

I heard the wind, I saw the sky,
Watched clouds above just floating by.

We talked, we shared, we joked, we played,
No gadgets near to steal the day.

It felt so calm, it felt so right
Like finding stars in the darkest night.

Karan Sharma, IX-A





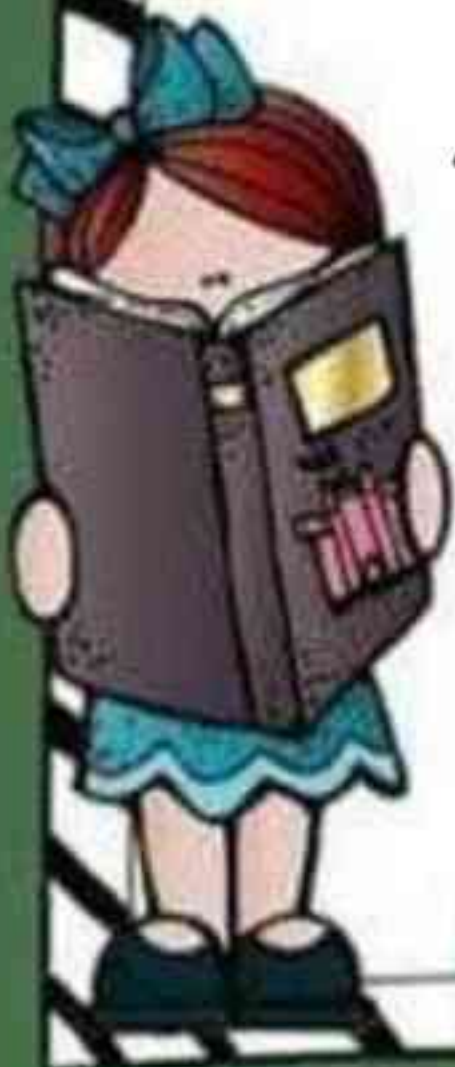
Exam Day

Mom and Dad said please, now grow.
It is your exam, don't become low.
The day has come now I will show.
Oh no! My place is 1st in the row.

All say bad luck, I say no
Ups and downs come only to glow.
Brain says no more stress.
Mind still replied do your best.

These are the days we all have to face.
That is why they are called exam days.

Harrehmat, VII - A





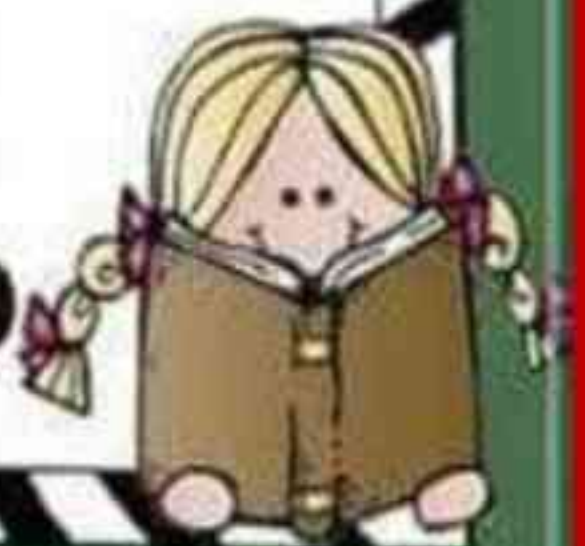
CV Raman

C.V. Raman was born in Tiruchirappalli on November 7, 1888. Raman was born to Tamil Brahmin parents. His father was a Tamil physician and mathematics lecturer. His father's name was Chandrasekhar Ramanathan Ayer, and his mother's name was Parvathi Ammal. He was the second of eight siblings. Raman was a brilliant student. At the age of 11, Raman completed his matriculation, and his parents then sent him to a foreign country for further education. He enrolled in Presidency College in Madras in 1902. After passing his B.A. exam in 1904, he secured the gold medal in Physics.

He cleared his M.A. in 1907 with distinction. At the age of 18, he submitted his first scientific publication to a British journal on the subject of "Unsymmetrical diffraction bands due to a rectangular aperture"

Aakriti Sharma

IX - A





I love reading books

I love reading books
Every day, I pick up a book
And enter a new world.
The Story takes me on
Exciting adventures, and
I learn new things.

I like to read in a quiet corner
Surrounded by the smell of pages.
The characters become by,
Friends and their journey inspire me.
Reading helps me relax
And imagine wonderful places.

Whether it's a rainy day
Or a Sunny afternoon,
A good book is my Perfect Companion.

Piyush, VII – A





Try, Try Again

If at first you don't succeed, Try, try again;
'Tis a lesson you should heed, Try, try again.
If at first you don't succeed, Try, try again.

Once or twice, if you fail, Try, try again;
If you would at last prevail, Try, try again.

If we strive, 'tis no disgrace
If we do not win the race
What should you do in that case?
Try, try again.

Daksh Yadav

VII - A





FLOOD MANAGEMENT

Flood management methods can be either of the structural type or of the non- structural methods. Structural methods hold back flood water physically. Building hard infrastructure to prevent flooding, such as flood walls, is effective at managing flooding.

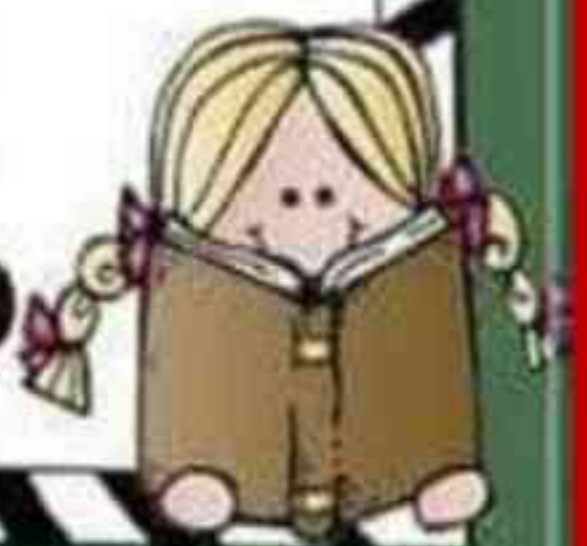
They include flood walls/ sea walls, floodgates, levees and evacuation routes. Non-structural measures reduce damage by removing people and property out of risk areas. They include elevated structures, property buyouts, permanent relocation, zoning and subdivision and building codes.

Generally, this involves a combination of flood mitigation, emergency management, flood forecasting and warning measures, land-use considering the local flood situation and the associated phenomenon.

Site Planning & Flood Management

Site Planning is done to build hard infrastructure, such as flood walls, and is effective at managing flooding.

However, it is best practice within landscape engineering to rely more on soft infrastructure and natural systems, such as marshes and flood plains, for handling the increase in water.





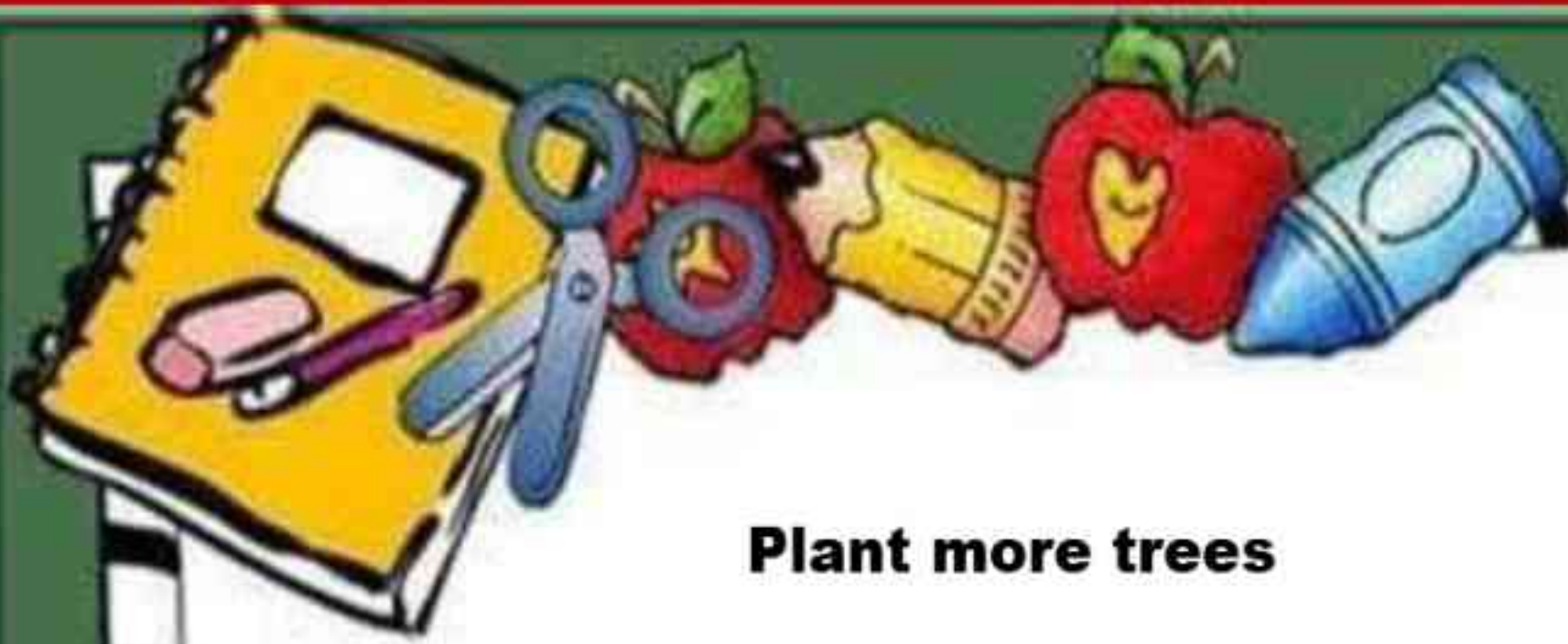
Flood management can include flood risk management, which focuses on measures to reduce risk, vulnerability and exposure to flood disaster and providing risk analysis through, for example, flood risk assessment.

Flood Mitigation is a related but separate concept describing a broader set of strategies taken to reduce flood risk and potential impact while improving resilience against flood events.

Climate change has led to increased flood risk intensity. Flood management is an important part of climate change adaptation and climate resilience. For example, to prevent or manage coastal flooding.

Khushi, IX - A





Plant more trees

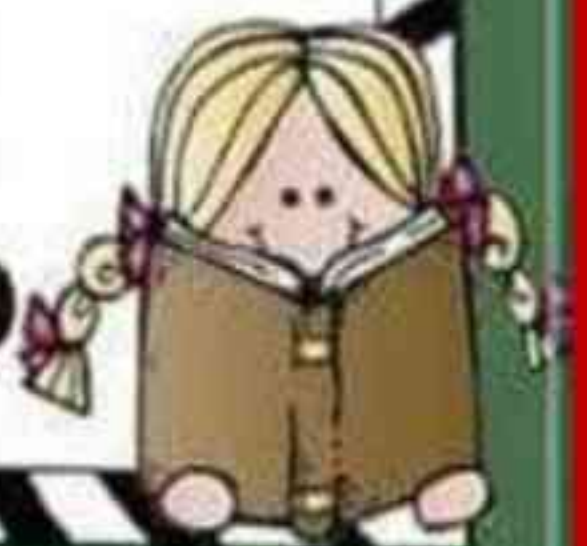
Plant More trees
As it looks green
And some the home of the animal please.

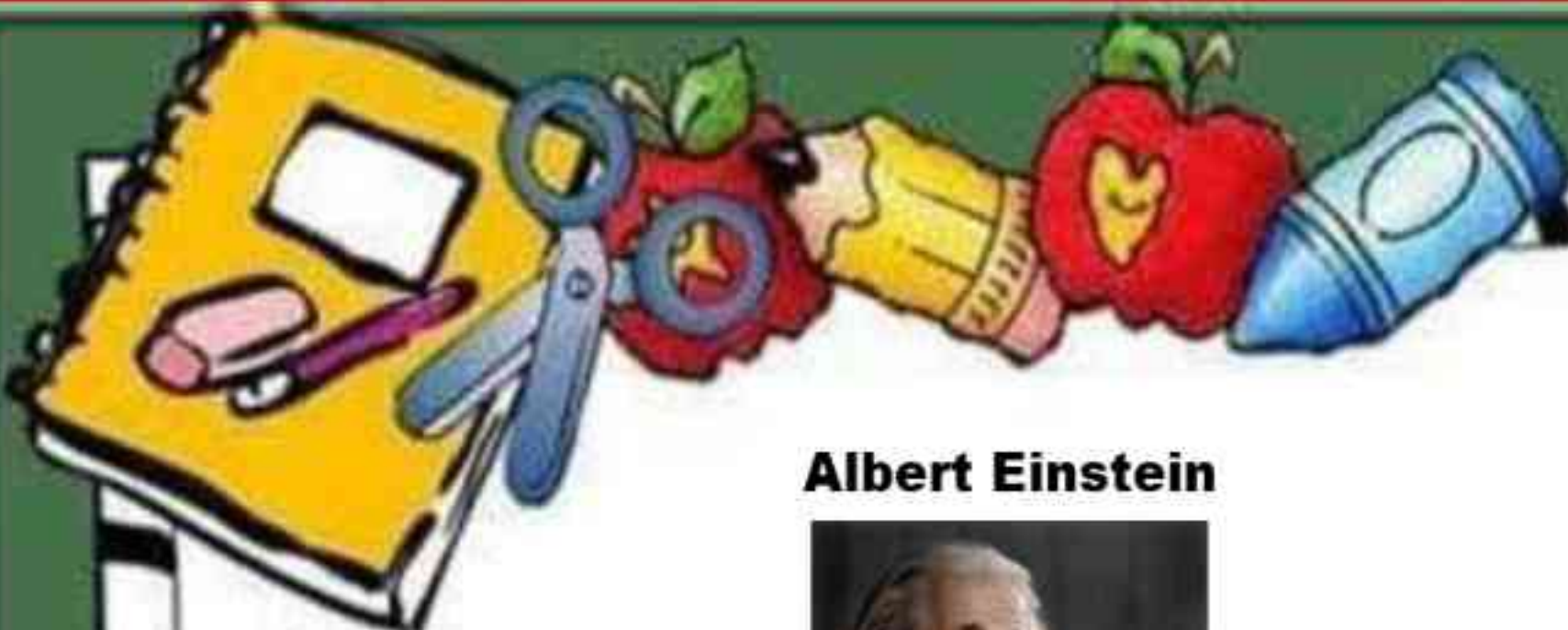
Plant more trees
As it looks green
To keep the human safe
From pollution and disease.

Plant more trees
As it looks green
To keep the cities beautiful and clean
And throw the garbage into a dustbin.

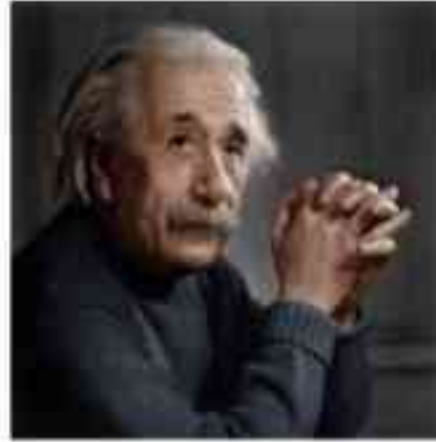
Stop cutting trees
And plant more trees
For a long line of you and me.

Utkarsh Rai
IX - A



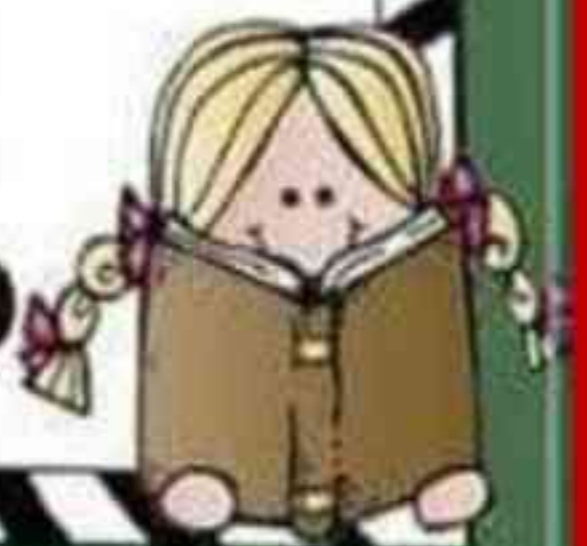


Albert Einstein



Albert Einstein was a genius personality who had brought wonders in the field of science and especially in Physics. He was the inventor of different important theories and equations in Physics. The invention of these important theories and equations had brought a wobble in the world of physics. It is because of his remarkable inventions and findings in science, he has been stated as the greatest scientist of the 20th century. After his death his brain has been preserved for research and finding out the reason for his super intelligence. His entire life is made up of beautiful quotes and is inspiring generations. Things like ' $E=mc^2$ ' are found by Albert Einstein. In this Albert says that Energy is equal to mass times the speed of light. The great scientist died on April 18, 1955 at the age of 76. He got many prizes in his life like 'Nobel Prize' and was born on March 14, 1879.

Shubhi
IX - A





The Unmindful Media

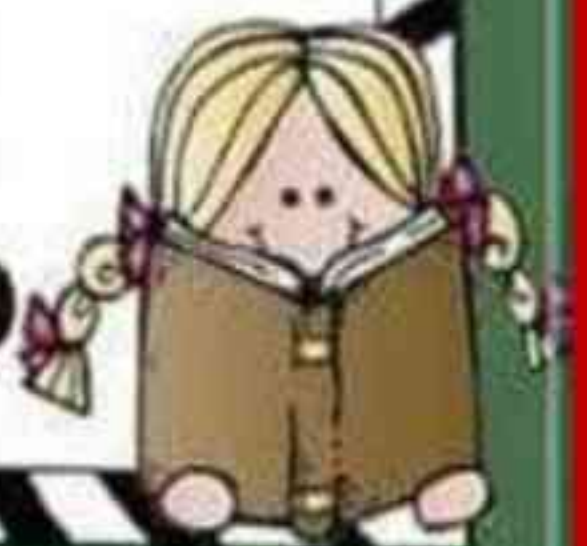
Newspaper, Internet and all those channels
The headlines come and go
But what news is important
Not even the media person knows!

Media has its full share
Of bollywood and daily soaps!
Yes, the entertainment is there
But what about the army troops?

Following Instagram and Whatsapp.
Mob lynchings are done
Minds overflowing with information,
the true knowledge stuns?

What is true, no one cares!
Not even the once trusted printed news
So how to be aware?
At this question, the common man stares.

Gursimrat Kaur
IX - A





Path to Success

If you want to succeed,
The path on which you proceed,
Has to be your own,
Only then you will be known.

You have to enjoy your own path
to be distinguished in a mass.
Avoid borrowed ones,
And see how success comes.

Don't follow foot step
Leave your own,
To motivate others and see how
History remembers you
With your golden name.

Avnish
IX - A





My Mother

Mother is God on the Earth,
She gave me birth.
She is very powerful,
And always to me careful.

She is my first teacher,
And she makes bright my future.
She is very thoughtful,
And she makes my life beautiful.

I pray to god that my mother
Always be happy and healthy.

Harleen Kaur IX - A





What If there were no Gravity

Gravity is the force that pulls everything towards Earth. It keeps us grounded, holds the Moon in orbit, and even makes rain fall. But what would happen if gravity suddenly disappeared?

Without gravity, we would all float into the air. Oceans would drift into Space and the atmosphere would vanish. Buildings wouldn't stay on the ground and Earth itself could fall apart. In short, life would become impossible.

Even in space, astronauts experience. Microgravity - not complete weightlessness. That's why they float inside the International Space Station but still feel a small pull from Earth.

Although we don't see it, gravity is everywhere. It's one of the most important forces in the universe and without it, we wouldn't exist.

Nishant Kumar
IX - A





Save Water

Water saving is a critical practice for maintaining the health of our planet. Water is a finite resource that is essential for all forms of life. Humans need water for drinking, cooking, cleaning and agriculture. By conserving water, we can help reduce the strain on our natural resource and ensure that there is enough water for future generations. Simple actions like fixing leaks, taking shorter showers, and using water-efficient appliances can make a big difference. Additionally, educating others about the importance of water conservation can help spread awareness and encourage more people to take action. Every drop of saved water contributes to a healthier planet, so let's all do our part to save water

Ambika Pawar

X - A





Nature

I am a human,
I'm tired from cities,
I am going to nature.
To find peace.

Long and shady trees,
And that cool breeze,
Made me relax and calm,
And found a tree of palm.

The plain ground,
With flora and fauna,
And silence all over the area,
Made me feel peace.

The clouds were as light as air
And blew with the wind,
And the sun set,
Was the day's end

Prabhdeep Kaur
X - B





The Power of Subconscious Mind

"Your subconscious mind is the silent architect of your destiny." In the book, "The Power of Subconscious Mind" by Dr. Joseph Murphy shows that there is a hidden force that unconsciously guides our thoughts and actions. This powerful force is called the Subconscious Mind. It accepts whatever you feed it- beliefs, images or fear and then builds your reality around them. The golden insight? Plant positive seeds through prayer, visualization and affirmations to get rid of self-doubts, fear, future tensions, and enlist your subconscious to do work for you. Replace 'I can't' with 'I can', 'I will' and 'I don't have anything' with 'I own abundance', 'Abundance flows to me'; 'I am happy and grateful'. Do this and watch opportunities appear almost magically. Consistent repetition rewires your mind's groves and with enough appropriate actions turning dreams into achievements. Remember, whatever we tell our mind is secretly shaping or sabotaging our future.

Embrace Murphy's method:

Choose uplift thoughts, feel them true, do not, even indirectly, criticize or badmouth yourself, and watch your subconscious craft a life of health, wealth & joy beyond imagination.

Shristi

XII





Importance of Discipline in life.

Discipline is the key to success in every fold of life. It means following rules and behaving in a proper way. A disciplined person always completes his or her tasks on time, respects others, and maintains good habits.

In a school, discipline helps students focus on their studies. At home, it creates a peaceful environment. In a society, it helps people live in harmony. Without discipline, there would be chaos and confusion everywhere.

Famous personalities Like Mahatma Gandhi and Dr. A.P.J. Abdul Kalam achieved great success in life because of their discipline. It helps build character and gives a sense of responsibility.

Inderpreet Kaur

IX - A





CARTOONOMICS:

The Big Business of Animation

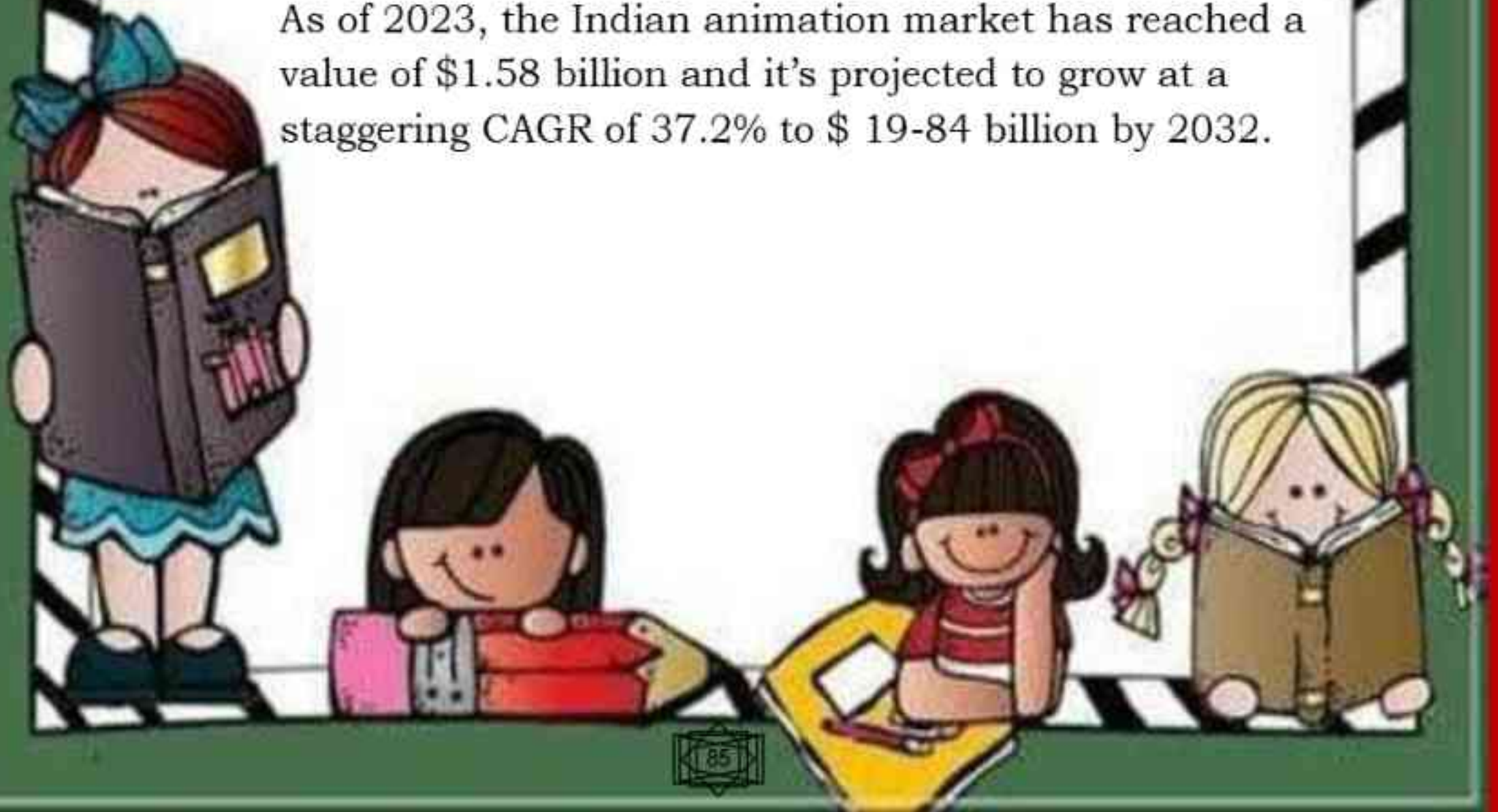
The Indian animation industry is a growing sector which spans a variety of media including 2D and 3D animation, visual effects (VFX), stop motion, motion graphics and comics / cartooning. It supports multiple sectors: entertainment (films, TV, OTT), advertising, gaming, education and corporate training

“Where art meets enterprise: The birth of the entertainment empire”

Animation in India dates back to the 1950s. In 1957, "Clair Weeks" (a Disney animator) helped launch the first animation unit at India's films division. This was followed by popular shorts like 'The Banyan Deer' [1957] and 'Ek Anek Aur Ekta' [1972].

Over the decades, the industry evolved from simple hand-drawn cartoon to modern 3D features - with milestones like 'Roadside Romeo', India's first 3D film in partnership with Disney.

As of 2023, the Indian animation market has reached a value of \$1.58 billion and it's projected to grow at a staggering CAGR of 37.2% to \$ 19-84 billion by 2032.





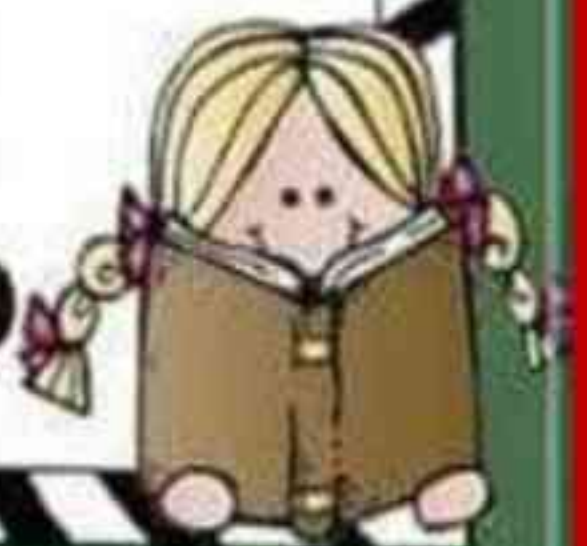
The Indian animation industry derives value from general key areas: Increasing demand for animated content on OTT platforms, the growing gaming sectors and the rise of animation in advertising and education.

Major animation hubs: Mumbai, Hyderabad, Bangalore, Chennai, Delhi-NCR - boasting a strong pool of engineering and arts talent. Kerala: Home to India's first animation - special SEZ (Kingfra film and Video park)

Studio Roles: In house production: Studios like assemblage, charuvi, DO entertainment, Technicolor India and Green gold animation create local IP eg. Chhota Bheem, Legend of Hanuman.

Finance and Incentives: AVGC (Animation, VFX, Gaming, Comics) policy offers grants, tax breaks and sets up training centres. Regional incentives include SEZs state subsidies and Public-Private IP collaborations.

Targeting and impact across age groups-Children [2-12 years): Classic cartoons, educational shows and comics etc anchor this group's media consumption





Teens and young Adults [13-25 years]: Strong interest in anime style content, short form animated web series and gaming animations. Current content largely misses this mark.

Job creation and skill development: Industry employs~ 100,000 directly and 30,000 indirectly; projected to employ 2 million by 2030. Vocational platforms supports broader employment.

Export Revenue: Generates USD 500m-1bn annually boosting India's services export sector. Contribution to GDP: Animation is integral to India's USD 3.7 tm GDP and digital economy (USD 200 bn +) and e- learning USD 2.3 bn heavily rely on animated content.

Growth of Indian animated IP boosts merchandise, branding and franchise potential. Policies encourage domestic IP creation and global partnerships.

Animation makes complex subjects more engaging, especially in remote regions. Localised content fosters culture pride : Folklores, mythology delivered in regional languages.

In a nutshell, the cartoon industry drives economic growth through content creation, employment, employment, exports and targeted youth engagement.

Diya

XI - Commerce



गणित क्लब

सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

पर्यावरण क्लब



अंतरराष्ट्रीय योग दिवस



वीडियो कांफ्रेंसिंग



एक भारत श्रेष्ठ भारत



हिन्दी पखवाडा





प्राथमिक विभाग की गतिविधियों की झलक



खेलकूद गतिविधियाँ



क्षेत्रीय स्तरीय खेल कूद सम्मेलन



वार्षिक खेल कूद उत्सव



ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਭਾਗ



ਸੰਪਾਦਕੀ: ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ

ਪਿਆਰੇ ਪਾਠਕੇ, ਅਧਿਆਪਕੇ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਹੋਣਹਾਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਓ, ਸਾਡੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਸਾਲਾਨਾ ਰਸਾਲੇ ਦਾ ਇਹ ਨਵਾਂ ਅੰਕ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਸਾਨੂੰ ਬੇਹੱਦ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਰਸਾਲਾ ਸਿਰਫ਼ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਦਾ ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਤਿਭਾਵਾਂ, ਵਿਚਾਰਾਂ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕਤਾ ਦਾ ਪ੍ਰਤੀਬਿੰਬ ਹੈ। ਇਸ ਅੰਕ ਨੂੰ ਖਾਸ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਅਣਮੋਲ ਰਚਨਾਵਾਂ ਲਈ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਹੁਤ ਧੰਨਵਾਦੀ ਹਾਂ।

ਸਾਡਾ ਸਕੂਲ ਹਮੇਸ਼ਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰਨ ਅਤੇ ਆਪਣੀਆਂ ਪ੍ਰਤਿਭਾਵਾਂ ਨੂੰ ਨਿਖਾਰਨ ਲਈ ਇੱਕ ਪਲੇਟਫਾਰਮ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਰੱਖਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਰਸਾਲਾ ਇਸੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦਾ ਪ੍ਰਮਾਣ ਹੈ। ਇੱਥੇ ਹਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਖੰਭ ਦੇਣ, ਆਪਣੇ ਅਨੁਭਵ ਸਾਂਝੇ ਕਰਨ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਦੀ ਦੁਨੀਆਂ ਬਾਰੇ ਆਪਣੇ ਨਜ਼ਰੀਏ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਮੰਨਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਅੰਦਰ ਇੱਕ ਅਨੋਖੀ ਕਹਾਣੀ, ਇੱਕ ਕਵਿਤਾ, ਇੱਕ ਕਲਾਕ੍ਰਿਤੀ ਜਾਂ ਇੱਕ ਵਿਚਾਰ ਛੁਪਿਆ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੋ ਸਾਂਝਾ ਕਰਨ ਯੋਗ ਹੈ।

ਇਸ ਅੰਕ ਵਿੱਚ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਹਾਣੀਆਂ, ਕਵਿਤਾਵਾਂ, ਲੇਖ, ਕਲਾਕ੍ਰਿਤੀਆਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਦਾ ਇੱਕ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਮਿਲੇਗਾ। ਹਰ ਰਚਨਾ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਸੋਚ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਜ਼ਬੇ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨਾ ਸਿਰਫ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਚਨਾਤਮਕਤਾ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਗਿਆਨ, ਸਮਝ ਅਤੇ ਆਲੋਚਨਾਤਮਕ ਸੋਚ ਨੂੰ ਵੀ ਉਜਾਗਰ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਆਪਣੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਭੇਜੀਆਂ ਹਨ।

ਅਸੀਂ ਆਸ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਰਸਾਲਾ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕਰੇਗਾ ਅਤੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਪ੍ਰਤਿਭਾ ਤੋਂ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਏਗਾ। ਅਸੀਂ ਭਵਿੱਖ ਵਿੱਚ ਹੋਰ ਵੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਭੇਜਣ ਲਈ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਤੁਹਾਡੀ ਹਰ ਰਚਨਾ ਇਸ ਰਸਾਲੇ ਨੂੰ ਹੋਰ ਅਮੀਰ ਬਣਾਉਂਦੀ ਹੈ।

ਅੰਤ ਵਿੱਚ, ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ, ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਅਤੇ ਸਟਾਫ਼ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਰਸਾਲੇ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਆਪਣਾ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਇਆ ਹੈ। ਤੁਹਾਡੇ ਸਹਿਯੋਗ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਇਹ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ ਸੀ।

ਖੁਸ਼ੀ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹੋ!

ਸੁਭਚਿੰਤਕ,
ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਪੰਜਾਬੀ ਮਾਸਟਰ)

ਸੁਨੇਹਾ

ਫੁੱਲਵਾੜੀ ਦੇ ਸੋਹਣੇ ਫੁੱਲੇ,
ਮਹਿਕਾ ਤੁਸੀਂ ਖਿੰਡਾਉਂਦੇ ਰਹਿਓ।
ਕਰਦੇ ਅਸੀਂ ਦੁਆਵਾਂ ਸਾਰੇ,
ਹੱਸਦੇ ਰਹਿਓ ਮੁਸਕਰਾਉਂਦੇ ਰਹਿਓ।

ਟੀਚੇ ਮਿੱਥਿਓ ਚੰਗੇ ਸਾਰੇ,
ਕਰੋ ਮਿਹਨਤ ਲਿਆਓ ਨਜ਼ਾਰੇ।
ਬੜੇ ਹਨੇਰੇ ਆਉਣੇ ਏਥੇ,
ਵਾਂਗ ਜੁਗਨੂੰ ਜਗਮਗਾਉਂਦੇ ਰਹਿਓ।
ਫੁੱਲਵਾੜੀ ਦੇ.....

ਦੇਖਣ ਸੁਪਨੇ ਜੇ ਮਾਪੇ ਸਾਰੇ,
ਹੋਣ ਕਦੇ ਨਾ ਨਿਰਾਸ਼ ਵਿਚਾਰੇ।
ਤਾਰਿਆਂ ਵਾਂਗਰ ਤੁਸੀਂ ਚਮਕਿਓ,
ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਝੋਲੀ ਪਾਉਂਦੇ ਰਹਿਓ।
ਫੁੱਲਵਾੜੀ ਦੇ.....

ਭਾਵੇ ਅੱਜਕੱਲ੍ਹ ਐਬ ਬਥੇਰੇ,
ਭੁੱਲ ਕੇ ਵੀ ਨਾ ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਾ ਨੇੜੇ।
ਜੇ ਕੋਈ ਸੱਜਣ ਭਟਕੇ ਰਾਹੋਂ,
ਸੰਗੀ ਬਣ ਸਮਝਾਉਂਦੇ ਰਹਿਓ।
ਫੁੱਲਵਾੜੀ ਦੇ.....

‘ ਦਵਿੰਦਰ ’ ਇਹੋ ਦੁਆਵਾਂ,
ਲੱਗਣ ਨਾ ਕਦੇ ਤੱਤੀਆਂ ਵਾਵਾਂ।
ਆਸਾਵਾਦੀ ਤੁਸੀਂ ਬਣ ਕੇ ਰਹਿਣਾ,
ਮਨੇ ਨਿਰਾਸ਼ਾ ਭਜਾਉਂਦੇ ਰਹਿਓ।
ਫੁੱਲਵਾੜੀ ਦੇ ਸੋਹਣੇ ਫੁੱਲੇ,
ਮਹਿਕਾ ਸਦਾ ਖਿੰਡਾਉਂਦੇ ਰਹਿਓ।
ਕਰਦੇ ਅਸੀਂ ਦੁਆਵਾਂ ਸਾਰੇ,
ਹੱਸਦੇ ਰਹਿਓ ਮੁਸਕਰਾਉਂਦੇ ਰਹਿਓ।

ਚਿਰਾਗ ਉਮੀਦਾ ਦਾ

ਦੂਰ ਹੋਵੇਗਾ ਹਨੇਰਾ ਇਹ,

ਚਿਰਾਗ ਉਮੀਦਾ ਦੇ ਤੂੰ ਬਾਲ ਰੱਖੀਂ।

ਲੰਮੀ ਰਾਤ ਪਿੱਛੋਂ ਆਵੇਗੀ ਸਵੇਰ ਪੱਕੀ,

ਚਿੱਤ ਵਿੱਚ ਤੂੰ ਸਦਾ ਹੀ ਖਿਆਲ ਰੱਖੀਂ।

ਹਟੀਂ ਨਾ ਰੁਕੀ ਨਾ ਤੂੰ ਵਧਦਾ ਹੀ ਜਾਈ,

ਪੈਂਡੇ ਐਖੇ ਤੇ ਨਿਰੰਤਰ ਤੂੰ ਚਾਲ ਰੱਖੀਂ।

ਮੀਂਹ ਦੁੱਖਾਂ ਤਕਲੀਫਾਂ ਦਾ ਆ ਗਿਆ ਜੇ,

ਦ੍ਰਿੜ੍ਹ ਨਿਸ਼ਚੇ ਵਾਲੀ ਛੱਤਰੀ ਨਾਲ ਰੱਖੀਂ।

ਨਾ ਰੁਕਦਾ ਇਹ ਕਿਸੇ ਲਈ ਵਕਤ ਮੱਲਾ,

ਲੈਕੇ ਵਿੱਚ ਕਲਾਵੇ ਸਮਾਂ ਇਹ ਸੰਭਾਲ ਰੱਖੀਂ।

‘ਦਵਿੰਦਰ’ ਭਾਰੀ ਜੰਦਰੇ ਇਹ ਸਫਲਤਾ ਨੂੰ,

ਪਰ ਤੂੰ ਕੁੰਜੀ ਮਿਹਨਤ ਵਾਲੀ ਨਾਲ ਰੱਖੀਂ।

ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ(ਪੰਜਾਬੀ ਮਾਸਟਰ)

[ਕੇਂਦਰੀਆ ਵਿਦਿਆਲਿਆ ਬੰਦੋਵਾਲ ਛਾਉਣੀ]

ਉਮਰ

ਉਮਰ ਤੁਰਦੀ - ਤੁਰਦੀ ਬਹੁਤ ਕੁੱਝ ਸਮੇਟਦੀ ਚਲੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਸਾਡਾ ਬਚਪਨ, ਜਵਾਨੀ ਦਾ ਗਰੂਰ, ਬੇਫਿਕਰੀ ਵਾਲੇ ਪਲ ਪਤਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਲੱਗਦਾ ਕਦੋਂ ਬੱਚਿਆਂ ਵਾਲੀ ਜਿੰਦ ਕਰਦੇ ਕਰਦੇ ਸਾਨੂੰ ਸਭ ਕੁੱਝ ਸਹਿਣ ਕਰਨਾ ਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਅਲਬੇਲਪੁਣਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿੱਥੇ ਲੈ ਜਾਂਦੀ ਵੱਧਦੀ ਉਮਰ ਜਿੰਮੇਵਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਅਜਿਹੀ ਸਾਂਝ ਬਣਦੀ ਹੈ ਜੋ ਮਰਦੇ ਦਮ ਤੱਕ ਨਹੀਂ ਟੁੱਟਦੀ ਹੌਲੀ ਹੌਲੀ ਦਿਲ ਦੀਆਂ ਖਵਾਹਿਸ਼ਾਂ ਵੀ ਜਾਂਦੀਆਂ ਲੱਗਦੀਆਂ ਨੇ ਖਾਣ ਪੀਣ ਪਹਿਨਣ ਦੇ ਸ਼ੌਂਕ ਵੀ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਵਾਵਰੇਲਿਆ ਵਾਂਗੂੰ ਉੱਡਣ ਵਾਲਾ ਇਨਸਾਨ ਆਪਣਾ ਆਪ ਸਾਂਭਣ ਤੋਂ ਵੀ ਅਸਮਰੱਥ ਹੋਣ ਲੱਗਦਾ ਹੈ। ਹੌਲੀ - ਹੌਲੀ ਹੱਡੀਆਂ ਦੀ ਮੁੱਠ ਪਿੰਜਰੇ ਵਿੱਚ ਕੈਦ ਪਰਿੰਦੇ ਵਾਂਗੂੰ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੇ ਆਖਰੀ ਪਲ ਗੁਜ਼ਾਰਦੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਅੰਤ ਵਿੱਚ ਰੂਹ ਵੀ ਸਰੀਰ ਨੂੰ ਛੱਡ ਇਸ ਦੁਨੀਆਂ ਨੂੰ ਅਲਵਿਦਾ ਕਹਿ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਵੀਰ ਗਿੱਲ,

ਜਮਾਤ - ਗਿਆਰ੍ਹਵੀਂ

ਮਾਪੇ.....

ਕਹਿੰਦੇ ਹਵਾ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਪੈਂਡਾ ਰਾਹੀਆਂ ਦਾ,
ਇੱਕ ਹੁਸਨ ਜਵਾਨੀ ਨਾਲੇ ਪਿਆਰ ਭਾਈਆਂ ਦਾ
ਮੁੜ ਆਉਂਦੇ ਨਹੀਂ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਟਾਈਮ ਜੱਗ ਤੇ,
ਮਾਪੇ ਤੁਰ ਗਏ ਜਹਾਨੇ ਮੁੜ ਨਹੀਂ ਲੱਭਦੇ ।

ਹਰ ਬੰਦਾ ਫਿਰ ਬੀਤੇ ਸਮੇਂ ਨੂੰ ਯਾਦ ਕਰਦਾ ,
ਫਿਰ ਬੁੱਢੇ ਵੇਲੇ ਆ ਕੇ ਸਮੇਂ ਕੋਲੋਂ ਡਰਦਾ,
ਮੇਲੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਨਹੀਂ ਮਿੱਤਰੇ ਇਹ ਲੱਗਦੇ ,
ਮਾਪੇ ਤੁਰ ਗਏ ਮੁੜ ਨਹੀਂ ਲੱਭਦੇ ।

ਹੱਸ ਖੇਡ ਕੇ ਬਿਤਾ ਲਓ ਜਿਹੜਾ ਸਮਾਂ ਲੰਘਦਾ ,
ਮੁੱਲ ਕਦੇ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦਾ ਬਾਈ ਟੁੱਟੀ ਵੰਗ ਦਾ।
ਮਾੜੇ ਬਣ ਜਾਂਦੇ ਬੋਲ ਅੰਗਿਆਰ ਅੱਗ ਦੇ,
ਮਾਪੇ ਤੁਰ ਗਏ ਜਹਾਨੇ ਮੁੜ ਨਹੀਂ ਲੱਭਦੇ ।

ਉਹ ਚਾਟੀਆਂ ਮਧਾਣੀਆਂ ਤੇ ਚੂਰੀ ਬੇਬੇ ਦੀ,
ਉਹ ਬਾਪੂ ਦੀਆਂ ਝਿੜਕਾਂ ਤੇ ਘੂਰੀ ਬੇਬੇ,
ਦੀ ਜਿੰਦੇ ਘਰ ਦੇ ਨੇ ਹੁੰਦੇ ਮਾਪੇ ਕਹਿਣ ਜੱਗ ਦੇ,
ਮਾਪੇ ਤੁਰ ਗਏ ਜਹਾਨੇ ਮੁੜ ਨਹੀਂ ਲੱਭਦੇ।

ਆਓ ਦੇਸੀ ਮਹੀਨੇ ਯਾਦ ਕਰੀਏ

ਚੇਤ ਮਹੀਨਾ ਚੜਦਾ ਹੈ, ਕਣਕੀ ਸੋਨਾ ਮੜਦਾ ਹੈ।

ਵਿਸਾਖ ਵਿਸਾਖੀ ਨਹਾਉਂਦੇ ਹਾਂ, ਦਾਣੇ ਘਰ ਵਿੱਚ ਲਿਆਉਂਦੇ ਹਾਂ।

ਜੇਠ ਮਹੀਨਾ ਲੂਆਂ ਦਾ, ਪਾਣੀ ਸੁੱਕਦਾ ਖੂਹਾਂ ਦਾ।

ਹਾੜ ਮਹੀਨਾ ਤਪਦਾ ਹੈ, ਸਾਨੂੰ ਅੰਦਰ ਹੀ ਰੱਖਦਾ ਹੈ।

ਸਾਵਣ ਬੱਦਲ ਵਰਦੇ ਨੇ, ਅੰਬਜਮੇਏ ਹੱਸਦੇ ਨੇ।

ਭਾਦੋ ਧੁੱਪਾਂ ਕਹਿਰ ਦੀਆਂ, ਝੜੀਆਂ ਕਈ ਕਈ ਪਹਿਰ ਦੀਆਂ।

ਅੱਸੂ ਮਾਹ ਨਿਰਾਲਾ ਏ, ਨਾ ਗਰਮੀ ਨਾ ਪਾਲਾ ਏ।

ਕੱਤਕ ਵੰਡੇ ਚਾਨਣੀਆਂ, ਰਾਤਾਂ ਨੂੰ ਬਹਿ ਬਹਿ ਮਾਨਣੀਆਂ।

ਮੱਘਰ ਨੂੰ ਗੱਲ ਲਾਉਂਦੇ ਹਾਂ, ਕੋਟ ਸਵੈਟਰ ਪਾਉਂਦੇ ਹਾਂ।

ਪੋਹ ਵਿੱਚ ਪਾਲਾ ਖੇਸੀ ਦਾ, ਧੂਣੀਆਂ ਲਾ ਲਾ ਸੇਕੀ ਦਾ।

ਮਾਘ ਨਜ਼ਾਰੇ ਧੁੱਪਾਂ ਦੇ, ਪੱਤੇ ਝੜਦੇ ਰੁੱਖਾਂ ਦੇ।

ਫੱਗਣ ਫੁੱਲ ਖਿਤਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਸਭ ਦੇ ਮਨ ਨੂੰ ਭਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਗੁਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ
ਜਮਾਤ ਛੇਵੀਂ ' ਏ '।

ਖਰ ਵਿੱਚ ਸਮੁੰਦਰ ਰੱਖਾਂ ਮੈਂ ਇਕਬਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ

ਅੱਖਰਾਂ ਵਿੱਚ ਸਮੁੰਦਰ ਰੱਖਾਂ, ਮੈਂ ਇਕਬਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਝੱਖੜਾਂ ਦੇ ਵਿੱਚ ਰੱਖ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਦੀਵਾ ਬਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ।
ਲੋਕੀ ਮੰਗ ਮੰਗਾ ਕੇ ਆਪਣਾ, ਬਾਲਣ ਬਣਾ ਕੇ ਬਹਿ ਗਏ ਨੇ ਅਸਾਂ ਤਾਂ ਮਿੱਟੀ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਏ, ਸੋਨਾ ਗਾਲ
ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ।

ਜਿਹੜੇ ਆਖਣ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬੀ ਵਸੂਅਤ ਨਹੀਂ ਤਹਿਜੀਬ ਨਹੀਂ ਪਤਕੇ ਵਾਰਸ, ਬੁੱਲਾ, ਬਾਹੂ ਲਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ।
ਮਨ ਦਾ ਮਾਸ ਖਵਾ ਦਿੰਦਾ ਏ, ਜਿਹੜਾ ਇਹਨੂੰ ਪਿਆਰ ਕਰੇ, ਕੋਈ ਵੀ ਜਬਰਨ ਕਰ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ, ਵਿੰਗਾ ਵਾਲ
ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ।

ਸਮਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ,
ਜਮਾਤ - ਅੱਠਵੀਂ ' ਏ '।

ਜ਼ਿੰਦਗੀ

ਕਿੰਨਾ ਸੋਹਣਾ ਲਿਖਿਆ ਕਿਸੇ ਨੇ ਪਿਆਸ ਲੱਗੀ, ਸੀ ਗਜਬ ਦੀ ਪਰ ਪਾਣੀ 'ਚ ਜਹਿਰ ਸੀ।
ਪੀਂਦੇ ਤਾਂ ਮਰ ਜਾਂਦੇ ਨਾ ਪੀਂਦੇ ਤਾਂ ਵੀ ਮਰ ਜਾਂਦੇ, ਬਸ ਇਹੀ ਦੋ ਮਸਲੇ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਭਰ ਹੱਲ ਨਾ ਹੋਏ।
ਨਾ ਨੀਂਦ ਹੀ ਪੂਰੀ ਹੋਈ ਨਾ ਸੁਪਨੇ ਪੂਰੇ ਹੋਏ, ਵਕਤ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਾਸ! ਥੋੜਾ ਹੋਰ ਸਬਰ ਹੁੰਦਾ, ਸਬਰ ਨੇ ਕਿਹਾ
ਕਾਸ ਥੋੜਾ ਹੋਰ ਵਕਤ ਹੁੰਦਾ।
ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਨੇ ਏ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਤੇਰੇ ਨਾਲ, ਪਰ ਚੁੱਪ ਇਸ ਲਈ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਦਿੱਤਾ ਤੂੰ ਮੈਨੂੰ ਉਹ ਵੀ
ਬਹੁਤਿਆਂ ਨੂੰ ਨਸੀਬ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

ਸ਼ੇਰ

ਰੱਬ ਕੋਲੋਂ ਡਰ ਕੇ ਰਹੀਏ,
ਮੰਦਾ ਨਾ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕਹੀਏ,
ਕਿਸਮਤ ਦੇ ਮਾਰਿਆ ਤਾਈਂ,
ਹੋਰ ਸਤਾਈਏ ਨਾ,

ਜਿਸ ਰਾਹ ਤੋਂ ਮਾਪੇ ਰੋਕਣ ਭੁੱਲ ਕੇ ਵੀ ਜਾਈਏ ਨਾ।

1. ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਹਲਾਤ

ਠੇਕਰਾਂ ਖਾਦੀਆਂ ਅਕਲਾਂ ਬਦਲ ਜਾਂਦੀਆਂ,
ਪੈਸਾ ਆਇਆ ਤਾਂ ਸ਼ਕਲਾਂ ਵੀ ਬਦਲ ਜਾਂਦੀਆਂ,
ਟਾਈਮ ਆਉਣ ਤੇ ਸ਼ੌਂਕ ਵੀ ਬਦਲ ਜਾਂਦੇ ਨੇ,
ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਬਾਰੇ ਕੀ ਕਹਿਣਾ,
ਉਹ ਤਾਂ ਗੱਲ ਗੱਲ ਤੇ ਬਦਲ ਜਾਂਦੇ ਨੇ।

ਅਨੁਮੀਤ ਕੌਰ,
ਜਮਾਤ - ਬਾਰੂਵੀਂ।

ਦੁਨੀਆਂ ਮੰਡੀ ਪੈਸੇ ਦੀ

ਇਹ ਦੁਨੀਆਂ ਮੰਡੀ ਪੈਸੇ ਦੀ,
ਹਰ ਚੀਜ਼ ਵਿਕੋਂਦੀ ਭਾਅ ਸੱਜਣ।

ਇੱਥੇ ਰੋਂਦੇ ਚਿਹਰੇ ਨਹੀਂ ਵਿਖਣੇ,
ਹੱਸਣੇ ਦੀ ਆਦਤ ਪਾ ਸੱਜਣ।

ਜਦੋਂ ਦਿਨ ਸਾਡੇ ਤੇ ਮਾੜੇ ਸੀ,
ਤੇ ਵੱਟੇ ਕਈਆਂ ਕਿਨਾਰੇ ਸੀ।

ਅੱਜ ਅਸਮਾਨੀ ਗੁੱਡੀ ਚੜ ਗਈ ਏ,
ਤੇ ਸਾਡੇ ਆਪਣੇ ਹੀ ਕੱਟਣ ਨੂੰ ਫਿਰਦੇ ਨੇ।

ਜਿਸ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਹੱਥ ਹੋਏ ਰੱਬ ਦਾ,
ਉਹ ਮਰ ਕੇ ਵੀ ਕਿੱਥੇ ਮਰਦੇ ਨੇ।

ਹੋਵੇ ਕੋਲ ਪੈਸਾ ਤੇ ਲੱਗਦੀ ਰੋਜ਼ ਮਹਿਫਲ,
ਮੱਖਣ, ਮਿਸਰੀਆਂ ਵਾਂਗਰਾ ਛਕ ਜਾਂਦੇ।

ਹੁੰਦਾ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਨਾ ਬਣਦਾ ਯਾਰ ਕੋਈ,
ਰਿਸਤੇਦਾਰ ਵੀ ਆਉਣੇ ਹਟ ਜਾਂਦੇ।

ਮਾਣੇ ਸ਼ਾਹ ਕੀ ਮਾਣ ਬੇਗਾਨਿਆਂ ਦਾ,
ਜੰਮੇ ਨਾਲ ਦੇ ਵੀ ਪਾਸਾ ਵੱਟ ਜਾਂਦੇ।

ਬਬਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ,
ਜਮਾਤ - ਬਾਰੂਵੀਂ (ਕਾਮਰਸ)।

ਧੀ.....

ਜਦ ਧੀ ਆਈ ਸੀ ਦੁਨੀਆ ਵਿੱਚ ,
ਤਾਂ ਕਈਆਂ ਨੇ ਨੱਕ ਚੜਾਇਆ ਸੀ।

ਜਦ ਆਈ ਬਾਪ ਦੇ ਹੱਥਾਂ ਵਿੱਚ,
ਤਾਂ ਉਸ ਪਰੀ ਆਖ ਬੁਲਾਇਆ ਸੀ।

ਜਦ ਆਈ ਮਾਂ ਦੀ ਗੋਦੀ ਵਿੱਚ ,
ਤਾਂ ਉਸ ਰੱਝਕੇ ਲਾਡ ਲਫਾਇਆ ਸੀ।

ਜਦ ਆਈ ਭਰਾ ਦੀ ਜਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ,
ਤਾਂ ਗੁੱਟ ਰੱਖੜੀ ਨਾਲ ਸਜਾਇਆ ਸੀ।

ਘਰ ਦੀ ਰੋਣਕ ਧੀ ਰਾਣੀ ਏ,
ਵਿਹੜਾ ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਨਾਲ ਮਹਿਕਾਇਆ ਸੀ।

ਆਦਰਸ਼ ਰਾਜ,

ਜਮਾਤ - ਸੱਤਵੀਂ ' ਬੀ '।

ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਜੀਵਨ: ਇਕ ਸੁਨਹਿਰਾ ਦੌਰ।

ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਜੀਵਨ ਉਹ ਸੁਨਹਿਰਾ ਚਿਰਾਗ ਹੈ ਜੋ ਮਨੁੱਖੀ ਜੀਵਨ ਦੀ ਨੀਂਹ ਰੱਖਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਦੌਰ ਸਿਰਫ ਕਿਤਾਬਾਂ ਤੱਕ ਸੀਮਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਇਹ ਉਹ ਸਮਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਸਿੱਖਣ ਦੀ ਲਾਲਸਾ ਸੁਪਨੇ ਤੇ ਉਮੀਦਾਂ ਇੱਕ ਨਵੀਂ ਉਡਾਣ ਭਰਦੇ ਹਨ। ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸੰਘਰਸ਼ ਮਿਹਨਤ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵ ਆਉਣ ਵਾਲੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੀ ਦਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਮੰਜ਼ਿਲ ਤੈਅ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਸਮਾਂ ਮਿੱਠੀਆਂ ਯਾਦਾਂ, ਮਾਸੂਮ ਦੇਸ਼ਤੀ ਅਤੇ ਨਿਰਲੇਪ ਹਾਸਿਆਂ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਉਹ ਦੌਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਹਰ ਦਿਨ ਇੱਕ ਨਵਾਂ ਸਬਕ ਸਿੱਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਜੀਵਨ ਦਾ ਉਹ ਪੜਾਅ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਦਿਲ ਸਾਫ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਇਰਾਦੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਅਤੇ ਭਵਿੱਖ ਇੱਕ ਕੋਰਾ ਕਾਗਜ਼ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਉਹ ਆਪਣੀ ਮਿਹਨਤ ਅਤੇ ਮਨੋਬਲ ਨਾਲ ਰੰਗਦਾ ਹੈ।

ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ

ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਸਿਰਫ ਰੀਤੀ ਰਿਵਾਜਾਂ ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਜਾਂ ਭੋਜਨ ਤੱਕ ਸੀਮਤ ਨਹੀਂ ਹੈ ਇਹ ਸਾਡੀ ਪਹਿਚਾਣ ਸਾਡੀ ਰੂਹ ਅਤੇ ਸਾਡੀ ਵਿਰਾਸਤ ਹੈ। ਇਹ ਉਹ ਧਾਰਾ ਹੈ ਜੋ ਸਾਨੂੰ ਸਾਡੇ ਮੂਲ ਨਾਲ ਜੋੜਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦਿਲਾਂ ਨੂੰ ਦਿਲਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਿੰਦਾਦਿਲੀ, ਮਹਿਮਾਨ ਨਿਵਾਜ਼ੀ ਸਾਫ਼ -ਦਿਲੀ ਤੇ ਰੰਗੀਨ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ ਇਸ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੀ ਮਿੱਠੀ ਝਲਕ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਧਰਤੀ ਤੋਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਰਿਸ਼ਤੇ ਲੋੜ ਮੁਤਾਬਿਕ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਕਦਰ ਅਤੇ ਸਤਿਕਾਰ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਬਣਦੇ ਹਨ। ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਨਾਟਕ, ਗੀਤ, ਗਿੱਧਾ ਅਤੇ ਭੰਗੜਾ, ਸਾਡਾ ਪਹਿਰਾਵਾ, ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਖਾਣ - ਪੀਣ ਇਹ ਸਭ ਸਾਡੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤੀ ਦੇ ਬੇਸ਼ਕੀਮਤੀ ਭਾਗ ਹਨ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਲੋਹੜੀ, ਵਿਸਾਖੀ, ਗੁਰਪੁਰਬ ਅਤੇ ਦਿਵਾਲੀ ਸਿਰਫ ਆਪਣੇ ਮਨੋਰੰਜਨ ਲਈ ਹੀ ਨਹੀਂ ਮਨਾਉਂਦੇ ਸਗੋਂ ਸਾਂਝੇ ਸੇਵਾ ਅਤੇ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੀ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇਣ ਲਈ ਮਨਾਉਂਦੇ ਹਨ। 'ਸਰਬੱਤ ਦਾ ਭਲਾ' ਹੀ ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੀ ਨੀਂਹ ਹੈ।

ਅੰਮ੍ਰਿਤਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ,

ਜਮਾਤ - ਗਿਆਰ੍ਹਵੀਂ ।

ਡਾ. ਬੀ.ਆਰ. ਅੰਬੇਡਕਰ: ਇੱਕ ਸੰਖੇਪ ਜੀਵਨੀ

ਡਾ. ਭੀਮ ਰਾਓ ਅੰਬੇਡਕਰ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਾਬਾ ਸਾਹਿਬ ਅੰਬੇਡਕਰ ਵਜੋਂ ਵੀ ਜਾਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਭਾਰਤ ਦੇ ਇੱਕ ਮਹਾਨ ਵਿਦਵਾਨ, ਸਮਾਜ ਸੁਧਾਰਕ, ਕਾਨੂੰਨਦਾਨ, ਅਤੇ ਰਾਜਨੀਤਿਕ ਨੇਤਾ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਨਮ 14 ਅਪ੍ਰੈਲ 1891 ਨੂੰ ਮਹੂ, ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਉਹ ਇੱਕ ਦਲਿਤ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚ ਪੈਦਾ ਹੋਏ ਸਨ, ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਚਪਨ ਤੋਂ ਹੀ ਛੂਤਛਾਤ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਵਿਤਕਰੇ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨਾ ਪਿਆ।

ਸਮਾਜਿਕ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ, ਅੰਬੇਡਕਰ ਨੇ ਸਿੱਖਿਆ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਦ੍ਰਿੜ ਇਰਾਦਾ ਦਿਖਾਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਲਫਿੰਸਟਨ ਕਾਲਜ, ਮੁੰਬਈ ਤੋਂ ਗ੍ਰੈਜੂਏਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਉੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਲਈ ਅਮਰੀਕਾ (ਕੋਲੰਬੀਆ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ) ਅਤੇ ਇੰਗਲੈਂਡ (ਲੰਡਨ ਸਕੂਲ ਆਫ ਇਕਨਾਮਿਕਸ) ਗਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਰਥ ਸ਼ਾਸਤਰ, ਰਾਜਨੀਤੀ ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਕਾਨੂੰਨ ਵਿੱਚ ਕਈ ਡਿਗਰੀਆਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀਆਂ।

ਭਾਰਤ ਪਰਤਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਅੰਬੇਡਕਰ ਨੇ ਆਪਣਾ ਜੀਵਨ ਦਲਿਤਾਂ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਦੇ ਕਮਜ਼ੋਰ ਵਰਗਾਂ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਲਈ ਸਮਰਪਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਛੂਤਛਾਤ ਵਿਰੁੱਧ ਕਈ ਅੰਦੋਲਨ ਚਲਾਏ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਵਿੱਚ ਸਮਾਨਤਾ ਅਤੇ ਨਿਆਂ ਸਥਾਪਤ ਕਰਨ ਦੀ ਵਕਾਲਤ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ “ਮੂਕਨਾਇਕ”, “ਬਹਿਸਕ੍ਰਿਤ ਭਾਰਤ” ਅਤੇ “ਜਨਤਾ” ਵਰਗੇ ਅਖਬਾਰ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਤਾਂ ਜੋ ਦਲਿਤਾਂ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਉਭਾਰਿਆ ਜਾ ਸਕੇ।

ਡਾ. ਅੰਬੇਡਕਰ ਨੂੰ ਭਾਰਤੀ ਸੰਵਿਧਾਨ ਦਾ ਮੁੱਖ ਨਿਰਮਾਤਾ ਮੰਨਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਸੰਵਿਧਾਨ ਡਰਾਫਟਿੰਗ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਜਿਹੇ ਸੰਵਿਧਾਨ ਦਾ ਨਿਰਮਾਣ ਕੀਤਾ ਜੋ ਸਾਰੇ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਲਈ ਬਰਾਬਰੀ, ਆਜ਼ਾਦੀ, ਅਤੇ ਨਿਆਂ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੌਲਿਕ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਰਾਜ ਨੀਤੀ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਸਿਧਾਂਤਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਈ।

ਆਜ਼ਾਦੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਅੰਬੇਡਕਰ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਕਾਨੂੰਨ ਮੰਤਰੀ ਬਣੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਿੰਦੂ ਕੋਡ ਬਿੱਲ ਰਾਹੀਂ ਔਰਤਾਂ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ, ਹਾਲਾਂਕਿ ਇਹ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਵੰਬਰ 1956 ਵਿੱਚ ਆਪਣੇ ਲੱਖਾਂ ਪੈਰੋਕਾਰਾਂ ਨਾਲ ਬੁੱਧ ਧਰਮ ਅਪਣਾ ਲਿਆ, ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੰਨਣਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਸਮਾਨਤਾ ਅਤੇ ਨਿਆਂ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤਾਂ ‘ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਹੈ।

ਡਾ. ਬੀ.ਆਰ. ਅੰਬੇਡਕਰ ਦਾ ਦੇਹਾਂਤ 6 ਦਸੰਬਰ 1956 ਨੂੰ ਹੋਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜੀਵਨ ਅਤੇ ਕੰਮ ਅੱਜ ਵੀ ਲੱਖਾਂ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਸਰੋਤ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਭਾਰਤ ਦੇ ਮਹਾਨ ਨੇਤਾਵਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਵਜੋਂ ਯਾਦ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਦੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ,

ਜਮਾਤ - ਨੈਵੀ 'ਏ'।

ਸੁਰਜੀਤ ਪਾਤਰ

ਸੁਰਜੀਤ ਪਾਤਰ। ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਇੱਕ ਬਹੁਤ ਹੀ ਸਤਿਕਾਰਯੋਗ ਅਤੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਕਵੀ ਅਤੇ ਲੇਖਕ ਸਨ। ਉਹਨਾਂ ਦਾ ਜਨਮ 14 ਜਨਵਰੀ 1945 ਨੂੰ ਜਲੰਧਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਪਿੰਡ ਪੱਤਰ ਕਲਾ ਵਿੱਚ ਹੋਇਆ ਸੀ, ਜਿਸ ਤੋਂ ਹੀ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਆਪਣਾ ਤਖੱਲਸ 'ਪਾਤਰ' ਅਪਣਾਇਆ। 11 ਮਈ 2024 ਨੂੰ ਉਹ ਇਸ ਫਾਨੀ ਸੰਸਾਰ ਨੂੰ ਅਲਵਿਦਾ ਕਹਿ ਗਏ। ਉਹਨਾਂ ਦੀਆਂ ਕਵਿਤਾਵਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕਾਂ ਵਿੱਚ ਬਹੁਤ ਹਰਮਨ ਪਿਆਰੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਆਲੋਚਕਾਂ ਵੱਲੋਂ ਵੀ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਮਿਲੀ ਹੈ। ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿੱਚ ਸਮਕਾਲੀ ਯਥਾਰਥ, ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਨਿਘਾਰ ਦਾ ਫਿਕਰ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੇ ਦੁਖਾਂਤ, ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਮੁੱਦਿਆਂ 'ਤੇ ਡੂੰਘੀ ਚਿੰਤਨਸ਼ੀਲਤਾ ਦੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲਦੀ ਹੈ। ਸੁਰਜੀਤ ਪਾਤਰ ਜੀ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਕਾਵਿ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕੁਝ ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਹਨ:

- * ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲਿਖੇ ਹਰਫ਼,
- * ਬਿਰਖ ਅਰਜ਼ ਕਰੇ,
- * ਹਨੇਰੇ ਵਿੱਚ ਸੁਲਗਦੀ ਵਰਨਮਾਲਾ : ਇਸ ਰਚਨਾ ਲਈ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ 1993 ਵਿੱਚ ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦਮੀ ਪੁਰਸਕਾਰ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

- * ਲਫਜ਼ਾਂ ਦੀ ਦਰਗਾਹ
- * ਪਤਝੜ ਦੀ ਪਾਜ਼ੇਬ
- * ਸੁਰ-ਜ਼ਮੀਨ
- * ਚੰਨ ਸੂਰਜ ਦੀ ਵਹਿੰਗੀ

ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਕਈ ਨਾਟਕਾਂ ਦਾ ਅਨੁਵਾਦ ਵੀ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਫਿਲਮਾਂ ਲਈ ਸੰਵਾਦ ਵੀ ਲਿਖੇ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ 'ਸ਼ਹੀਦ ਊਧਮ ਸਿੰਘ' ਅਤੇ ਦੀਪਾ ਮਹਿਤਾ ਦੀ ਫਿਲਮ 'ਹੈਵਨ ਐਨ ਅਰਥ' ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਰੂਪਾਂਤਰ।

ਸੁਰਜੀਤ ਪਾਤਰ ਜੀ ਨੂੰ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਸਾਹਿਤਕ ਯੋਗਦਾਨ ਲਈ ਕਈ ਪੁਰਸਕਾਰਾਂ ਨਾਲ ਨਵਾਜਿਆ ਗਿਆ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਮੁੱਖ ਹਨ:

- * ਪੰਜਾਬ ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦਮੀ ਪੁਰਸਕਾਰ (1979)
- * ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦਮੀ ਪੁਰਸਕਾਰ (1993)
- * ਪਦਮ ਸ਼੍ਰੀ (2012): ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਇਹ ਚੌਥਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਨਾਗਰਿਕ ਸਨਮਾਨ ਹੈ।
- * ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦਮੀ, ਲੁਧਿਆਣਾ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਕਲਾ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਵਜੋਂ ਵੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਨਿਭਾਈਆਂ।

ਸੁਰਜੀਤ ਪਾਤਰ ਜੀ ਇੱਕ ਅਜਿਹੇ ਕਵੀ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਦਿਲਾਂ ਵਿੱਚ ਵਸੀ ਹੋਈ ਸੀ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਨੂੰ ਅਮੀਰ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਇਆ।

ਦਮਨਪ੍ਰੀਤ, ਜਮਾਤ - ਨੈਵੀ ' ਏ '।

ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ

ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੀ ਯਾਦ ਮੈਂ ਕਰਾਵਾਂ ,

ਮੱਕੀ ਦੀ ਰੋਟੀ ਸਾਗ ਸਰ੍ਹੋਂ ਦਾ ਮੈਂ ਖਾਵਾਂ।

ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਬੜੇ ਅਜੀਬ ਵਰਤਾਰੇ,

ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਨੇ ਜਕੜੇ ਲੋਕ ਨੇ ਸਾਰੇ ।

ਪੀੜਾ ਬਰਗਰ ਨੇ ਲੱਗਦੇ ਚੰਗੇ,

ਖਾ ਕੇ ਲੈਂਦੇ ਸਿਹਤ ਨਾਲ ਪੰਗੇ

ਗਿੱਧਾ ,ਭੰਗੜਾ ਲੋਕ ਨਾਚ ਪਿਆਰੇ ,

ਨਵੇਂ ਰਿਵਾਜ ਵਿੱਚ ਭੁੱਲ ਗਏ ਸਾਰੇ।

ਸਿਹਤ ਮੰਦ ਜੇ ਰਹਿਣਾ ਹੈ,

ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਇਕ ਹੀ ਕਹਿਣਾ ਹੈ,

ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਮੋਬਾਈਲ ਤੋਂ ਰਹਿਣਾ ਹੈ।

ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਮੋਬਾਈਲ ਤੋਂ ਰਹਿਣਾ ਹੈ।

ਨਾਮ- ਸਿਮਰਨਜੋਤ ਕੌਰ,

ਜਮਾਤ-ਦਸਵੀਂ 'ਬੀ',

ਸਦਨ - ਅਸ਼ੋਕ।

ਅੱਜ ਦੀ ਜਵਾਨੀ

ਨਿੱਤ ਕੁੜੀਆਂ ਨੂੰ ਮਿਹਣੇ ਮਾਰੇ ਜਨਤਾ,
ਆਖੇ ਤੁਸੀਂ ਤੀਆਂ ਤਿੰਝਣਾ ਭੁੱਲ ਗਈਆਂ।

ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਜੀਨ ਟੋਪ ਤੇ ਡੁੱਲ੍ਹ ਕੇ,
ਸੂਟ ਸਲਵਾਰਾਂ ਭੁੱਲ ਗਈਆਂ।

ਤੁਹਾਨੂੰ ਚਰਖਾ ਕੱਤਣਾ ਆਉਂਦਾ ਨੀ,
ਪਾ ਕੇ ਬੇਲੀਆਂ ਗਿੱਧੇ ਦੇ ਵਿੱਚ ਨੱਚਣਾ ਆਉਂਦਾ ਨਹੀਂ।

ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਪੁੱਛੀਏ ਇਹਨਾਂ ਭਲਵਾਨਾਂ ਨੂੰ,
ਕਾਨਿਆਂ ਵਰਗੀਆਂ ਲੱਤਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਗੱਭਰੂ ਛੈਲ ਛਬੀਲੇ ਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ।

ਇਹ ਕਿਹੜੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਪਹਿਰੇਦਾਰ ਬਣੇ,
ਗੁਰੂ ਘਰ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਮੰਡੇਰ ਦੇ ਯਾਰ ਬਣੇ।

ਜੇ ਕੁੜੀਆਂ ਸੂਟ ਸਲਵਾਰਾਂ ਭੁੱਲ ਗਈਆਂ,
ਤਾਂ ਜਨਾਬ ਆਪਾਂ ਕਿਹੜੇ ਚਾਦਰਾ ਲਾਉਂਦੇ ਆਂ?

ਸਿਰ ਤੇ ਗਜ਼ਨੀ ਕੱਟ ਪਾਈਏ,

ਉਂਝ ਨਾ ਪਿੱਛੇ 'ਸਿੰਘ' ਲਾਉਂਦੇ ਆਂ।

ਹੱਸ ਖੇਡ ਕੇ ਦਿਨ ਟਪਾਲੇ ਚਾਰ ਜਿਹੜੇ ਸੁੱਖ ਦੇ ਨੇ,
ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਵਾਰਸਾਂ ਦੇ ਪੱਗ ਬੰਨ੍ਹੇ ਤੇ ਕੰਨ ਦੁੱਖ ਦੇ ਨੇ।

ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਬਦਲਦੇ ਪਰਿਪੇਖ

ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਉਸ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਜੋ ਖ਼ਤਮ ਹੋਣ ਦੀ ਕਗਾਰ 'ਤੇ ਹੈ। ਮਸ਼ੀਨੀ ਸੱਭਿਅਤਾ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜਨ-ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਪਿੰਡ ਹੁਣ ਸੜਕਾਂ ਰਾਹੀਂ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਨਾਲ ਜੁੜ ਗਏ ਹਨ, ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਸ਼ਹਿਰੀਕਰਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪੇਂਡੂ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਸ਼ਹਿਰ ਜਾਣਾ ਹੁਣ ਕੋਈ ਵੱਡੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਰਹੀ। ਪੁਰਾਣਾ ਪੰਜਾਬ ਕਿਤੇ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ।

ਬਿਜਲੀ, ਸੰਚਾਰ ਮਾਧਿਅਮ ਅਤੇ ਪ੍ਰਿੰਟ ਮੀਡੀਆ ਨੇ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪੇਂਡੂ ਜੀਵਨ 'ਤੇ ਕਾਫ਼ੀ ਮਾਰੂ ਪ੍ਰਭਾਵ ਪਾਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਕਾਰਨ ਸਾਡੇ ਸਮਾਜਿਕ, ਸਦਾਚਾਰਕ ਅਤੇ ਆਰਥਿਕ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਆਈਆਂ ਹਨ।

ਖੇਤੀਬਾੜੀ, ਪਹਿਰਾਵਾ ਤੇ ਖਾਣ-ਪੀਣ ਵਿੱਚ ਤਬਦੀਲੀਆਂ

* ਖੇਤੀਬਾੜੀ: ਖੇਤਾਂ ਵਿੱਚ ਹੁਣ ਬਲਦਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਟਰੈਕਟਰ 'ਧੁਗ-ਧੁਗ' ਕਰਦੇ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਕਿ ਪੁਰਾਣੇ ਸਮੇਂ ਦੀ ਖੇਤੀ ਤੋਂ ਬਿਲਕੁਲ ਵੱਖਰੀ ਹੈ।

* ਪਹਿਰਾਵਾ: ਸਾਡਾ ਪਹਿਰਾਵਾ ਵੀ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਦਲ ਗਿਆ ਹੈ। ਅੱਜ-ਕੱਲ੍ਹ ਕੋਣ ਸਿਰ 'ਤੇ ਫੁਲਕਾਰੀ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਕੋਣ ਕੁਤਤਾ-ਚਾਦਰਾ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ? ਪੁਰਾਣੇ ਰਵਾਇਤੀ ਪਹਿਰਾਵੇ ਹੁਣ ਬਹੁਤ ਘੱਟ ਦੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲਦੇ ਹਨ।

* ਖਾਣ-ਪੀਣ: ਖਾਣ-ਪੀਣ ਦੀ ਗੱਲ ਤਾਂ ਛੱਡ ਹੀ ਦਿਓ! ਕੋਣ ਘਰ ਦਾ ਕੱਢਿਆ ਹੋਇਆ ਮੱਖਣ ਖਾਂਦਾ ਹੈ? ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਲੋਕ ਬਾਜ਼ਾਰੀ ਚੀਜ਼ਾਂ ਖਾ ਕੇ ਹੀ ਖੁਸ਼ ਹਨ।

ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਰਸਮਾਂ ਅਤੇ ਰੀਤੀ-ਰਿਵਾਜਾਂ ਦਾ ਅਲੋਪ ਹੋਣਾ

ਅੱਜ ਦੀ ਪੀੜ੍ਹੀ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿ ਪੁਰਾਣੇ ਸਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਰਸਮਾਂ ਕਿਵੇਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਸਨ। ਅੱਕ ਦੀ ਪੂਜਾ, ਅੱਗ ਦੱਬਣਾ, ਅੱਗ ਦੀ ਪੂਜਾ, ਆਬਤ ਆਉਣੀ, ਸਾਧਰਾ ਅਤੇ ਸਤੀ ਕਰਨਾ ਵਰਗੀਆਂ ਕਈ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਰਸਮਾਂ ਅਤੇ ਰੀਤੀ-ਰਿਵਾਜ ਅਲੋਪ ਹੋ ਚੁੱਕੇ ਹਨ ਜਾਂ ਬਹੁਤ ਘੱਟ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਹਨ।

ਪਹੁਲਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ
ਜਮਾਤ ਦਸਵੀਂ 'ਬੀ'

A group of students and teachers posing with their posters in front of the Kendriya Vidyalaya Baddowal Cantt. banner. The students are holding up their posters, which feature various designs and text. The banner in the background reads "KENDRIYA VIDYALAYA BADDOWAL CANTT".

Art Corner

ART TREES Art Integration



A group of students and teachers are posing for a photo in front of a building with a sign that reads "KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN CANTINE". The students are holding up many colorful, handcrafted diamond-shaped quilts or bags. The quilts feature various patterns and colors, including red, yellow, green, and blue. The students are dressed in school uniforms. The teachers are standing in the back row. The photo is taken outdoors, and the building is visible in the background.



Traditional painting





Bridge course



Art Corner



Craft activity



Origami paper craft



Rally (EBSB)



Clay modeling



Madhubani painting



Mural & painting



Art Exhibition



Rakhi making



विद्यालय के आधार स्तंभ

प्रशासनिक विभाग



श्रीमती बलवीत तुली (मुख्याध्यापिका)



श्री नरेश कांत (प्राचार्य)



श्री अमित (व.स.स.)

स्नातकोत्तर शिक्षक



श्रीमती रेनुका चावला



श्रीमती किरनदीप कौर



श्री संदीप कुमार



श्री विक्रम सोलंकी



श्री महेश कुमार भोषा



श्रीमती अनुरादीप कौर

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक



श्रीमती कमनीत कौर



श्रीमती सोनिया दत्ता



श्री विकास कुमार तंडन



श्रीमती गौर



श्रीमती दिव्या सचदेवा



श्रीमती रगनदीप कौर



श्रीमती शालिनी



श्रीमती सोनिया यादव



श्रीमती डीम्ली चौधरी



श्री कुण कुमार



श्रीमती रक्ती



श्रीमती आनका देवी बहा



श्री अक्षय



श्रीमती सविता

प्राथमिक शिक्षक



श्रीमती प्रेमलता



श्रीमती हिम्मी



शुश्री सुभाष



श्रीमती रोहिणी महाजन



श्री संजीव



श्रीमती सुमन



श्रीमती कामना



श्रीमती शिकनम



श्रीमती कचा सोनी



शुश्री अंशिका



शुश्री सनोवर भोना



शुश्री निधि

सहायक कर्मचारी



श्री करनैल सिंह



श्री करनैल सिंह



श्री विशाल